हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हैप्पी मदर्स-डे

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 10 मई 2026

पीएम मोदी ने मंच पर दंडवत प्रणाम किया

सुवेंदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री, पीएम मोदी ने बंगाल की जनता का कुछ इस अंदाज में जताया आभार

आपने जिताया, आपको 'दंडवत प्रणाम'

पीएम ने कहा कि हम सभी के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान को याद करना स्वाभाविक है। उनके विजन को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी

रवींद्रनाथ टैगौर को पुष्पांजलि अर्पित

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

सुवेंदु अधिकारी शनिवार को पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बन गए। सुवेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झुककर प्रणाम किया। सुवेंदु के साथ 5 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे। कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय मंत्री मौजूद थे। एनडीए और भाजपा शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में पहुंचे। पीएम रोड शो करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे, मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और पैर छुए। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मारे गए भाजपा कार्यकर्ता देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पॉल के परिवारों से मुलाकात की।

शपथ लेने भगवा कुर्ता पहनकर आए सुवेंदु अधिकारी

पीएम मोदी ने सुवेंदु की पीठ थपथपाई

दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू, निषिथ प्रमाणिक मंत्री बने, बांग्ला में शपथ ली

पीएम रोड शो करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे, मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

पीएम भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और पैर छुए

पीएम ने कहा

माखनलाल सरकार ने डॉ. मुखर्जी के साथ काम किया, जीवन पार्टी को समर्पित किया

पीएम ने लिखा कि कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुझे माखनलाल सरकार से मिलने का अवसर मिला। एक कट्टर राष्ट्रवादी के तौर पर उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ काम किया और उनके साथ रहते हुए जम्मू-कश्मीर में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन हमारी पार्टी को समर्पित कर दिया। उन्होंने पूरे पश्चिम बंगाल में पार्टी का आधार बढ़ाया और जीवन के हर क्षेत्र से लोगों को पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

सीएम डॉ. यादव ने कहा

सुशासन, सुरक्षा और विकास के नवयुग का अब शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ सुशासन, सुरक्षा और विकास के एक नवयुग का शुभारंभ हो गया है। पश्चिम बंगाल अब सच्चे अर्थो में 'आमार सोनार बांग्ला' बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में यह राज्य अब अपने पुराने गौरव और वैभव को प्राप्त कर नए-नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। डॉ. यादव शनिवार को कोलकाता के बिग्रेड परेड ग्राउंड में हुए पश्चिम बंगाल की नवगठित राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने सुवेंदु अधिकारी को लोक कल्याण के इस नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दीं।

नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेंदु को दी बधाई

पाठक सूचना

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026 का सामान्य कूपन कल के अंक में देखें।

क्रिप्टोकरेंसी मामले में ईडी ने किए 3 अरेस्ट

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े धनशोधन मामले में कथित क्रिप्टो हैकर श्रीकृष्ण रमेश उर्फ 'श्रीकि' समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीकि, रॉबिन खंडेलवाल और सुनीश हेगड़े को 8 मई को हिरासत में लिया गया।

तीनों सेनाओं का कंट्रोल रहेगा हाथ में

नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि

वे वर्तमान सीडीएस अनिल चौहान की जगह लेंगे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया है, जो कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से और अगले आदेश तक भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। वे वर्तमान सीडीएस अनिल चौहान की जगह लेंगे। जिनका कार्यकाल 30 मई को पूरा होने जा रहा है। वर्तमान में लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि 1 सितंबर 2025 से अब तक राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में सैन्य सलाहकार हैं। पहले वे 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक थल सेना के उप-प्रमुख थे,मार्च 2023 से जून 2024 तक मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यरत थे।

कृष्णा स्वामीनाथन होंगे देश के नए नौसेना प्रमुख

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख होंगे। वो वर्तमान में मुंबई में पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग इन चीफ हैं और 31 मई को कार्यभार संभालेंगे और उनका कार्यकाल 31 दिसंबर, 2028 तक रहेगा। मौजूदा नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की जगह लेंगे, जो 30 मई को रिटायर हो रहे हैं। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन का भारतीय नौसेना में एक शानदार और लंबा करियर रहा है। इसी वजह से मोदी सरकार ने उन्हें नौसेना का नेतृत्व सौंपा है। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने 31 जुलाई, 2025 को पश्चिमी नौसेना कमान के 34वें फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभाला था। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन हुए थे।

एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के बाद संभालेंगे इंडियन नेवी की कमान

सेंट्रल नारकोटिक्स डिपार्टमेंट ने 8 मई को मारा था छापा

एक एसआई को लाइन अटैच किया गया

मंदसौर में पुलिस चौकी के पास बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद, एसपी ने 3 पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मंदसौर

मंदसौर में सेंट्रल नारकोटिक्स डिपार्टमेंट ने कचनारा पुलिस चौकी के पास बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया है। इसे एसपी विनोद कुमार मीना ने संबंधित चौकी पुलिस की लापरवाही माना है और चौकी प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। एसआई को लाइन अटैच किया गया है। सेंट्रल नारकोटिक्स डिपार्टमेंट की टीम ने 8 मई को छापामार कार्रवाई की थी। जिसमें मौके से बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया। इसकी जानकारी एसपी विनोद कुमार मीना मिली तो उन्होंने स्थानीय पुलिस पर नाराजगी जताई और संबंधिति पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार थाना दलौदा की कचनारा पुलिस चौकी के पास एमडी ड्रग्स फैक्टरी का कारोबार चल रहा था। मंदसौर पुलिस को इसकी भनक तक नहीं थी। एसआई को लाइन अटैच किया गया है।

रॉ मटेरियल हुआ बरामद

इन्हें किया सस्पेंड

मंदसौर के थाना दलौदा की कचनारा पुलिस चौकी प्रभारी पूर्णिमा सिंह, एएसआई यूसुफ मंसूरी और कॉन्स्टेबल अर्जुन सिंह को सस्पेंड कर दिया है। वहीं एसआई सीताराम शर्मा को लाइन अटैच किया है।

जबलपुर
रविवार, 10 मई 2026
■ ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष : 8
■ वर्ष : 21, अंक : 10
■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 38
न्यून. 24

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

एसीएस दुबे की चेतावनी बारिश में पानी भरा तो एफआईआर कराऊंगा

सीवेज लाइन के निर्माण में लापरवाही पर ईई संजीव गुप्ता सहित 4 इंजीनियर सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

एसीएस ने अफसरों की लापरवाही पर जताई नाराजगी

ग्वालियर में सीवरेज और पेयजल परियोजनाओं के निरीक्षण के बाद एसीएस संजय दुबे और आयुक्त संकेत भोंडवे के निर्देश पर 4 अफसरों पर कार्रवाई की गई। नगर निगम के कार्यपालन यंत्री संजीव कुमार गुप्ता को सस्पेंड कर दिया गया। बढ़ौनी के सीएमओ यशवंत राठौर और भितरवार के सब इंजीनियर पीयूष गुप्ता के निलंबन के निर्देश दिए गए हैं। अकोड़ा सीएमओ अवतार सिंह सेंगर को हेल्थ इश्यू के चलते अटैच किया गया है। निरीक्षण के दौरान एसीएस दुबे जीवाजीगंज के पास पहुंचे तो उन्हें नाले में गंदगी और मिट्टी नजर आई।

एसीएस संजय दुबे अधिकारियों से चर्चा करते हुए

एसीएस बोले- 90 डिग्री टर्न से बारिश फ्लो कैसे निकलेगा ?

चेतकपुरी रोड से गुजरने वाले नाले पर पहुंच कर एसीएस ने ईई सुरेश अहिरवार से पूछा नाला पहले कहां से निकल रहा था और अब कहां जा रहा है? उन्होंने बताया कि पहले नाला महल में होकर जाता था। अब नाले को टर्न कर दिया है। स्पॉट पर खड़े होकर कहा ये तो 90 डिग्री टर्न दिया है। बारिश फ्लो कैसे निकलेगा ? एसीएस ने गोरखी मल्टी लेवर पार्किंग में भरे पानी का बेहतर इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर इस पानी को पीने योग्य बनाएं।

10 साथियों के साथ आया लिव-इन पार्टनर, कार में डालकर ले गया

22 साल की मां और 3 माह की बच्ची का किया अपहरण

हॉकी और डंडे लेकर घर में घुसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

सीसीटीवी में आरोपी

शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती और उसकी तीन माह की बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है। युवती के लिव-इन पार्टनर ने अपने 10 साथियों के साथ मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी हथियार लेकर घर में घुसे और परिजनों से मारपीट कर मां-बेटी को जबरन कार में डालकर ले गए। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित अन्य के खिलाफ अपहरण और एससी-एसटी एक्ट का केस दर्ज कर लिया है। शिवपुरी पब्लिक स्कूल के पास रहने वाली नीलम गुहारिया ने पुलिस को बताया कि उनकी 22 वर्षीय बेटी महक तीन साल से करैरा निवासी पुष्पेंद्र चौहान के साथ इंदौर में लिव-इन रिलेशनशिप में थी। दोनों की तीन माह की एक बच्ची आरोही भी है। पुष्पेंद्र उसे परेशान करता था, इसलिए महक कुछ समय से बच्ची के साथ शिवपुरी आकर माता-पिता के साथ रह रही थी। नीलम के मुताबिक 8 मई की रात करीब 8:35 बजे पुष्पेंद्र अपने साथियों के साथ हथियार, हॉकी और डंडे लेकर उनके घर में घुस आया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
सीएसके एलएसजी
दोपहर 3.30 बजे से
शाम 7.30 बजे से
आरसीबी एमआई

बड़ा एक्शन : 100 करोड़ से अधिक के फर्जी जीएसटी बिल और मनी लांड्रिंग मामले में चंडीगढ़ सहित कई ठिकानों पर छापेमारी

ईडी ने पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा को किया गिरफ्तार

शनिवार तड़के पहुंची ईडी ने कई ठिकानों पर दस्तावेज खंगाले फिर एक्शन हुआ

जांच एजेंसी को संदेह है कि मोबाइल फोन कारोबार से जुड़े फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) और जीएसटी रिफंड का लाभ लिया गया

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब के स्थानीय सरकार एवं संसदीय कार्य मंत्री संजीव अरोड़ा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, ईडी की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी। ईडी की टीम अरोड़ा से लंबे समय तक पूछताछ करती रही और उन्हें आगे की जांच के लिए दिल्ली ले जाया जा सकता है। शनिवार सुबह करीब सात बजे ईडी की टीमों ने चंडीगढ़ स्थित सेक्टर-2 आवास समेत दिल्ली, गुरुग्राम और अन्य ठिकानों पर एक साथ छापामारी शुरू की थी।

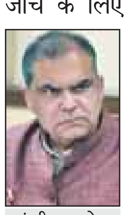
संजीव अरोड़ा

कार्रवाई के दौरान सीआईएसएफ और सीआरपीएफ के जवान भी सुरक्षा में तैनात रहे। टीमों ने कई घंटे तक वित्तीय दस्तावेज, कारोबारी लेनदेन और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की। यह कार्रवाई कथित फर्जी जीएसटी खरीद, मनी लांड्रिंग और निर्यात से जुड़े लेन-देन की जांच के तहत की गई। जांच एजेंसी को संदेह है कि मोबाइल फोन कारोबार से जुड़े फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) और जीएसटी रिफंड का लाभ लिया गया।

दुबई से जुड़े फंड ट्रांजेक्शन और राउंड ट्रिपिंग की भी जांच की जा रही

लगभग 2 दर्जन गाड़ियों में पहुंचे थे अधिकारी

साल भर के भीतर तीसरी बार ईडी पहुंची अरोड़ा के घर, 24 घंटे में बयान आएगा ईडी का

टीमों ने घंटों तक वित्तीय दस्तावेजों, कारोबारी लेनदेन और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की

आप बोली- यह राजनीतिक प्रतिशोध

ईडी की कार्रवाई के बाद पंजाब की राजनीति भी गरमा गई है। आम आदमी पार्टी ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया है, जबकि विपक्ष लगातार सरकार पर निशाना साध रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान पहले ही केंद्र सरकार और भाजपा पर एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा चुके हैं। वहीं विपक्षी दलों का कहना है कि यदि जांच हो रही है तो सच्चाई सामने आनी चाहिए। बताया जा रहा है कि आने वाले 24 घंटों में ईडी की ओर से मामले में आधिकारिक जानकारी साझा की जा सकती है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम पर पंजाब की राजनीतिक नजरें टिकी हुई हैं।

सीएम मान बोले-केंद्र की चालों के आगे पंजाब नहीं झुकेगा

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एक बार फिर भाजपा की ईडी संजीव अरोड़ा के घर पहुंची है। एक साल में यह तीसरी बार है, जब भाजपा की ईडी उनके घर आई है। पिछले एक महीने में दूसरी बार। फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला। मैं मोदी जी से कहना चाहता हूं कि पंजाब गुरुओं की धरती है, जिसे औरंगजेब भी झुका नहीं सका। यह भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने कभी अंग्रेजों के सामने सिर नहीं झुकाया, इसलिए पंजाब मोदी की चालों के आगे कभी नहीं झुकेगा। ईडी-भाजपा के इस अनैतिक गठजोड़ का अंत पंजाब से ही शुरू होगा।

भगवंत मान

दिल्ली पुलिस काऑपरेशन गैंग बस्ट-2

पृथ्वीपुर के युवक अनमोल को उठाया, पाक गैंगस्टर के लिए कर रहा था काम

5 राज्यों में 1,014 ठिकानों पर छापेमारी की

अनमोल राय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ऑपरेशन गैंग बस्ट-2 के तहत पाकिस्तान समर्थित आतंकी एवं आपराधिक नेटवर्क का बड़ा खुलासा करते हुए अविभाजित टीकमगढ़ जिले (वर्तमान में निवाड़ी जिला) के पृथ्वीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नैगुंआ निवासी लगभग 17 वर्षीय युवक अनमोल राय को 6 से 7 मई को रात में नैगुआ से उसके घर से गिरफ्तार किया है। अनमोल ने नैगुआ ग्राम में स्थित निहाल झा की दुकान से कुछ दस्तावेज ऑनलाइन डाउनलोड किए थे। ग्रामीणो ने बताया कि 6 या 7 मई को ही दिल्ली से टीम आई थी और अनमोल राय, विशाल राजपूत और निहाल झा को पकड़कर दिल्ली ले गई थी।

दिल्ली पुलिस ने ध्वस्त किया नेटवर्क

पुलिस के अनुसार यह मॉड्यूल पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आईएसआई समर्थित नेटवर्क के इशारों पर काम कर रहा था। दिल्ली पुलिस ने इस नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए 48 घंटे के भीतर 5 राज्यों में 1,014 ठिकानों पर छापेमारी अभियान चलाया।

खबर संक्षेप

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को थमाया नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय महिला रेसलर विनेश फोगाट को भारतीय कुश्ती महासंघ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिसमें उनसे कई जवाब मांगे गए हैं। ये नोटिस जारी किया उसमें उन्होंने विनेश फोगाट पर अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के आरोपों के बारे में उनसे जवाब मांगा है। इसके अलावा विनेश फोगाट को भारतीय कुश्ती महासंघ ने जून 2026 में होने वाले घरेलू टूर्नामेंट में वापसी पर भी रोक लगा दी,जिसमें उनको अयोग्य घोषित कर दिया।

पोल से भिड़ी कार में जिंदा जले 2 दोस्त

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के डबरा-ग्वालियर हाईवे पर तेज रफ्तार कार बिजली के पोल से टकराकर पलट गई। कार में आग लगने से दो दोस्तों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में पीछे सीट पर बैठा तीसरा युवक बच गया। जानकारी के मुताबिक, तीन दोस्त ग्वालियर में शादी समारोह में शामिल होने के बाद डबरा लौट रहे थे। कार की डिग्गी में पटाखे रखे थे। चिंगारी के कारण बारूद ने आग पकड़ ली। मृतकों की पहचान छतरपुर निवासी अवधेश विश्वकर्मा (32) और रामजी सोनी (33) के रूप में हुई।

न कोई कॉल आया, न कोई ओटीपी

रतलाम में पटवारी के खाते से उड़े 2.93 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतलाम

■ 3 बार में ट्रांसफर की गई जीपीएफ की राशि

रतलाम में साइबर ठगों ने एक पटवारी के बैंक खाते से बिना किसी ओटीपी और कॉल के 2.93 लाख रुपए निकाल लिए। शहर के काटजू नगर निवासी पटवारी अशोक योगी के एसबीआई खाते से 27 से 29 अप्रैल के बीच तीन अलग-अलग ट्रांजैक्शन में यह राशि ट्रांसफर की गई है। 30 अप्रैल को जब उन्होंने अपना बैंक बैलेंस चेक किया, तब उन्हें इस पूरी ठगी की जानकारी मिली।

अमरावती से उज्जैन जा रहे थे चार दोस्त

खंडवा में कार पलटी, एक की मौत, दो युवतियां घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खंडवा

■ कालसर्प दोष के चलते पूजा कराने जा रहे थे उज्जैन

खंडवा में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक बजे दर्दनाक हादसा हो गया। कार पलटने से सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में बैठी दो युवतियां घायल है, ड्राइवर को सकुशल है। चारों दोस्त महाराष्ट्र के अमरावती के रहने वाले है। वहां से उज्जैन स्थित महाकाल ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने जा रहे थे। रास्ते में हादसा हुआ और एक दोस्त की जान चली गई।

आईसीएमआर बोला- भारत सेफ

क्रूज शिप में हंटा वायरस तीन लोगों की मौत हो गई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

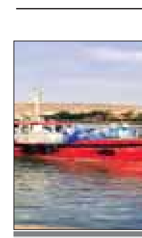
■ यह चूहों के मल या पेशाब के संपर्क से फैलता है

क्रूज शिप में फैले हंटावायरस संक्रमण ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक एमवी होंडियस शिप में हंटावायरस का संक्रमण सामने आया था। इसमें पांच लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई जिसमें से तीन की मौत भी हो चुकी है। चालक दल सदस्यों में दो भारतीयों के भी हंटावायरस से संक्रमित होने की सूचना है।

हैदराबाद में रैली को संबोधित करने के साथ 9,400 करोड़ की सौगात देंगे

आज तेलंगाना और कर्नाटक जाएंगे पीएम मोदी, कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगे

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक और तेलंगाना की यात्रा पर जाएंगे। सुबह लगभग 11 बजे प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगे और इस अवसर पर सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करने के साथ 9,400 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

कल सोमनाथ मंदिर पहुंचेंगे पीएम

प्रधानमंत्री 10-11 मई, 2026 को गुजरात का दौरा करेंगे वे 10 मई की रात को जामनगर पहुंचेंगे 11 मई को प्रधानमंत्री सुबह लगभग 10:15 बजे सोमनाथ मंदिर में सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लेंगे इसके बाद प्रधानमंत्री वडोदरा के लिए रवाना होंगे, जहां वे शाम लगभग 6 बजे सरदारधाम छात्रावास का उद्घाटन करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस के अवसर पर...

व्हाइट हाउस में गूंजे यजुर्वेद के मंत्र, ट्रंप बोले- अमेरिका की पहचान ईश्वर से जुड़ी

प्रति वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया की सबसे ताकतवर इमारतों में गिने जाने वाले व्हाइट हाउस में गुरुवार को वैदिक मंत्रों की गूंज सुनाई दी। अमेरिका के राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस के अवसर पर हिंदू परंपरा के अनुसार शांति पाठ किया गया, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा और सनातन संस्कृति की ध्वनि से भर उठा। न्यू जर्सी स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के एक स्वयंसेवक ने व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और यजुर्वेद के शांति पाठ का उच्चारण किया।

मंत्र का उच्चारण करते पंडित

विश्व शांति की कामना की गई

वैदिक मंत्रों में आकाश, पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, देवताओं और सम्पूर्ण सृष्टि में शांति की कामना की गई। प्रति वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है। अमेरिका में राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस हर वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1952 में अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित कानून के तहत हुई थी। इस वर्ष के सभी 50 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी में हजारों प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं।

आज नया डब्ल्यूडी आने से 13 से 14 मई के आसपास अधिकांश जिलों में आंधी-बारिश और कुछ हिस्सों में ओले गिरेंगे

भोपाल में 41 डिग्री पर गर्मी

रतलाम 44 डिग्री पर तपा, भोपाल में बादल कुछ जिलों में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित कुछ जिलों में शनिवार को मौसम का मिजाज बदला रहा। कुछ जिलों में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे, जबकि भोपाल में दोपहर बाद करीब 4 बजे उत्तरी और पूर्वी हिस्से में काले बादल घिरे और कुछ हिस्सों में हल्की बौछारें पड़ीं।

शेष शहर में धूप खिली रही, इससे उमस बढ़ गई। शनिवार को पश्चिमी मप्र के कुछ जिलों में पारा औसतन एक डिग्री तक घट-बढ़ के साथ सामान्य से औसतन दो डिग्री तक अधिक रहा। इससे गर्मी का असर बढ़ा रहा।

यहां देर शाम आंधी-बारिश व ओले

राजधानी के पुलिस कंट्रोल रूम के पास का बारिश का दृश्य, रात्रि 8:15 बजे

शनिवार को दोपहर से देर शाम के बीच भोपाल के अलावा बैतूल, पांढुर्णा, सिवनी, डिंडोरी और अनूपपुर में आंधी के बौछारें और कुछ जगह ओले गिरे। रायसेन, गुना, विदिशा, राजगढ़, सागर, जबलपुर, दमोह, बालाघाट, मंडला, उमरिया, शहडोल और छिंदवाड़ा में भी आंधी के साथ बौछारें पड़ीं। रविवार को नर्मदापुरम, बैतूल, अशोकनगर, शिवपुरी, सिंगरौली, सीधी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी में अंधड़ के साथ हल्की बारिश का अलर्ट है।

इसलिए 14 मई के आसपास बारिश

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के हिस्सों में एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन है। साथ ही एक ट्रफ पूर्वी राजस्थान से होकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से होकर गुजर रही है। इससे कुछ जिलों में मौसम बदल रहा है। रविवार को नया डब्ल्यूडी आने के बाद 13 मई के बाद से भोपाल सहित कई हिस्सों में मौसम में बदलाव होगा।

समुद्र में बढ़ेगी भारत की ताकत

भारतीय तटरक्षक बल में नई पीढ़ी का फास्ट पेट्रोल वेसल 'अचल' शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय तटरक्षक बल ने अपनी समुद्री सुरक्षा और मारक क्षमता को और अधिक मजबूत करते हुए आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान नई पीढ़ी के 'अदम्या-क्लास' फास्ट पेट्रोल वेसल (एफपीवी) श्रृंखला के पांचवें जहाज, भारतीय तटरक्षक जहाज 'अचल' को औपचारिक रूप से सेवा में शामिल कर लिया गया है। 'अचल' जहाज की सबसे बड़ी खूबी इसका पूरी तरह से भारतीय होना है। 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत बने इस जहाज में 60% से अधिक स्वदेशी कल-पुर्जों का इस्तेमाल किया गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत अब रक्षा उपकरणों के मामले में तेजी से आत्मनिर्भर हो रहा है।

> 'अचल' जहाज की सबसे बड़ी खूबी इसका पूरी तरह से भारतीय होना है। 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत बने इस जहाज में 60% से अधिक स्वदेशी कल-पुर्जों का इस्तेमाल किया गया है

» *भारत रक्षा उपकरणों में तेजी से आत्मनिर्भर हो रहा*

» *यह समुद्री निगरानी, तस्करी रोकने का करेगा काम*

गरिमामय समारोह में शामिल किया गया 'अचल' जहाज

तेज रफ्तार से करेगा दुश्मन का पीछा

समुद्र के इस नए पहरेदार की ताकत और बनावट इसे बेहद खास बनाती है। यह जहाज लगभग 52 मीटर लंबा और 8 मीटर चौड़ा है। यह 27 समुद्री मील की तेज रफ्तार से दुश्मन का पीछा करने में सक्षम है।सुरक्षा के लिहाज से इसमें 30 मिमी की आधुनिक सीआरएन-91 गन लगाई गई है, जो किसी भी खतरे को पल भर में नेस्तनाबूद कर सकती है।

गोवा शिपयार्ड का रिकॉर्ड

इस कमीशनिंग के साथ ही गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भी अपनी कार्यक्षमता का लोहा मनवाया है। शिपयार्ड ने मात्र डेढ़ साल के रिकॉर्ड समय में 14 जहाजों को लॉन्च कर भारतीय समुद्री इतिहास में एक नई दिशा तय की है। अब 'अचल' के आ जाने से उत्तर-पश्चिमी समुद्री इलाकों में भारत की सुरक्षा दीवार पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गई है।

गुजरात में होगी तैनाती

भारतीय तटरक्षक बल ने तय किया है कि 'अचल' को गुजरात के वाधिनार में तैनात किया जाएगा। यह इलाका सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। अपनी तैनाती के बाद यह जहाज समुद्री निगरानी, तस्करी को रोकने, खोज और बचाव अभियान चलाने और विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा।

पांचवीं फ्लीट सपोर्ट शिप की 'स्टील कटिंग'

पांच फ्लीट सपोर्ट शिप (एफएसएस) में से पांचवें और अंतिम जहाज की 'स्टील कटिंग' समारोह विशाखापत्तनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) में आयोजित किया गया।

ईंधन, पानी, गोला बारूद की करेगा आपूर्ति

इन जहाजों के शामिल होने पर, एफएसएस समुद्र में बेड़े के जहाजों की आपूर्ति करके भारतीय नौसेना की ब्लू वाटर क्षमताओं को मजबूत करेंगे। कुल 40,000 टन से अधिक विस्थापन वाले ये जहाज ईंधन, पानी, गोला-बारूद और भंडार की आपूर्ति करेंगे, जिससे बेड़े के जहाजों की दीर्घकालिक तैनाती संभव हो सकेगी और इस प्रकार बेड़े की रणनीतिक पहुंच और गतिशीलता में वृद्धि होगी।

जयशंकर ने त्रिनिदाद और टौबेगो की पीएम कमला प्रसाद बिसेसर से की मुलाकात

सौर ऊर्जा आधारित आधुनिकीकरण सहित कई एमओयू

द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए नए विचारों और पहलों पर की बातचीत

एजेंसी ▶▶ पोर्ट ऑफ स्पेन

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की पीएम कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ व्यापक बातचीत की, जिसमें भारत और इस दो द्वीपों वाले राष्ट्र के बीच द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार के लिए नए विचारों और पहलों पर चर्चा की गई। जयशंकर शुक्रवार को परामारिबो से पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। यह उनकी जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एंड टोबैगो की तीन देशों की यात्रा का अंतिम चरण है। इस यात्रा का उद्देश्य कैरेबियाई देशों के साथ भारत की सहभागिता को और मजबूत करना था।

जयशंकर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आज शाम पीएम कमला प्रसाद-बिसेसर और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ हमारी द्विपक्षीय साझेदारी की व्यापक समीक्षा की।

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले वर्ष किए गए वादों को पूरा करने के साथ-साथ हमने द्विपक्षीय सहयोग में नए विचारों और पहलों की भी चर्चा की। इससे पहले जयशंकर ने कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ स्कूली बच्चों को भारत में निर्मित लैपटॉप वितरित करने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

> जयशंकर ने कहा कि भारत के त्रिनिदाद एवं टोबैगो के साथ परंपरागत रूप से बेहद हमेशा से बेहद आत्मीय और मित्रतापूर्ण रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, उपनिवेशवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष और क्रिकेट के हमारे विशेष जुड़ाव पर आधारित हैं

पीएम कमला प्रसाद बिसेसर के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर

1 भारत निर्मित लैपटॉप दिए

त्रिनिदाद और टोबैगो के स्कूली बच्चों को भारत निर्मित लैपटॉप वितरित किए

2 एमओयू साइन किया

'आयुर्वेद पीठ' की स्थापना सहित कई एमओयू

क्रिकेट ने रिश्तों को दी खास पहचान

जयशंकर ने एक ध्वजारोहण समारोह में भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्रिकेट ने दोनों देशों के रिश्तों को एक 'विशेष आयाम' दिया है। विदेश और कैरिकॉम (कैरेबियन कम्युनिटी एंड कॉमन मार्केट) मामलों के मंत्रालय में आयोजित समारोह में जयशंकर ने कहा कि भारत के त्रिनिदाद एवं टोबैगो के साथ परंपरागत रूप से बेहद हमेशा से बेहद आत्मीय और मित्रतापूर्ण रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, उपनिवेशवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष और क्रिकेट के हमारे विशेष जुड़ाव पर आधारित हैं।

लोकप्रिय स्ट्रीट फूड 'डबल्स' का लुत्फ उठाया

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा के दौरान यहां के लोकप्रिय स्ट्रीट फूड 'डबल्स' का स्वाद चखा। इस पर कैरेबियाई देश की पीएम बिसेसर ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच बढ़ते सांस्कृतिक संबंधों का उदाहरण है। 'डबल्स' त्रिनिदाद और टोबैगो का एक बेहद लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है, जिसकी जड़ें भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़ी हैं। इसमें मसालेदार छोले को दो तली हुई पतली रोटियों के बीच परोसा जाता है। स्वादिष्ट और छोले होने के कारण इसकी तुलना अक्सर भारत के छोले-भटूरे से की जाती है।

27 हजार करोड़ से ज्यादा के घोटाले के हैं आरोप

अनिल अंबानी समूह पर मुंबई में 17 ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ चल रही जांच में सीबीआई ने शनिवार को मुंबई में 17 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। सीबीआई की यह कार्रवाई रिलायंस एडीए ग्रुप की तीन कंपनियों रिलायंस टेलिकॉम लि., रिलायंस कॉमर्शियल फायनेंस लि. और रिलायंस होम फायनेंस लि. से जुड़े मामलों में की गई। इन कंपनियों और इनके डायरेक्टर्स पर बैंकों के हजारों करोड़ रुपए के फंड में कथित गड़बड़ी और धोखाधड़ी का आरोप है। सीबीआई ने जिन जगहों पर छापेमारी की, उनमें कंपनियों के डायरेक्टर्स के घर और उन इंटरमीडियरी कंपनियों के दफ्तर शामिल हैं।

फर्जी लेनदेन का शक- सीबीआई का कहना है कि छापेमारी के दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि कई इंटरमीडियरी कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं, जिससे फर्जी लेनदेन और फंड डायवर्जन का शक और गहरा गया है। यह कार्रवाई मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत की ओर से 8 मई 2026 को जारी सर्च वारंट के आधार पर की गई।

अनिल अंबानी के खिलाफ 7 केस दर्ज- सीबीआई के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में अनिल अंबानी समूह के खिलाफ कुल सात केस दर्ज किए गए हैं। ये मामले विभिन्न सरकारी बैंकों और एलआईसी की शिकायतों के आधार पर दर्ज हुए हैं। आरोप है कि इन मामलों में करीब 27,337 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। जांच एजेंसी पहले भी इन मामलों में 14 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है।

अमरनाथ यात्रा 2026 से पहले सुरक्षा सख्त

पाक की नई साजिश का मिला अलर्ट, पंजाब-जम्मू सीमा सील

एजेंसी ▶▶ कठुआ

पंजाब के जालंधर में धमाकों के बाद कठुआ में हाई अलर्ट जारी किया गया है। विशेष तौर पर प्रवेश द्वार लखनपुर और पंजाब को कठुआ से जोड़ने वाले सभी सीमा पर। पंजाब पुलिस की ओर से बाकायदा जम्मू कश्मीर पुलिस को आगाह किया गया है कि पंजाब में होने वाले धमाकों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ था और आईएसआई इसी तरह की नापाक हरकत को कठुआ में भी अंजाम दे सकता है। लिहाजा वे सतर्क रहें। वहीं पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कठुआ पुलिस के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने माधोपुर नाके और लखनपुर नाके पर संयुक्त रूप से जांच की। जहां तैनात पुलिस कर्मियों से कहा गया कि वे सतर्क रहें। आने जाने वाले संदिग्ध लोगों पर नजर रखें। किसी भी तरह की जानकारी को आपस में तत्काल साझा करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। पंजाब पुलिस के आगाह करने के बाद कठुआ के बमियाल बार्डर, कीड़िया गंडयाल, लखनपुर समेत अन्य जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस कर्मियों को कहा गया है कि वह 24 घंटे हथियारों और तकनीकी उपकरणों के साथ चौकस रहें, ताकि किसी भी तरह की वारदात से निपटा जा सके। बता दें कि तीन महीनों के बाद श्री अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने जा रहा है। इसके पहले पंजाब में धमाके और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी किसी ने किसी आतंकी साजिश को अंजाम देने की फिराक में है। ताकि यात्रा में खलल डाला जा सके। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां इसे लेकर सतर्क हैं।

माधोपुर नाके पर पुलिस

आईएमएफ ने पाक को 11 हजार करोड़ का कर्ज दिया

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने 1.2 अरब डॉलर यानी 11,322.25 करोड़ रुपए के कर्ज की मंजूरी दे दी है। यह राशि दो अलग-अलग वित्तीय कार्यक्रमों के तहत जारी की जा रही है। अब तक पाकिस्तान कुल 8.4 अरब डॉलर (79,256.44 करोड़ रुपए) के दो ऋण पैकेजों में से 4.5 अरब डॉलर यानी 42,458.81 करोड़ रुपए प्राप्त कर चुका है। यह राशि अगले हफ्ते की शुरुआत में जारी कर दी जाएगी। जिससे केंद्रीय बैंक का रिजर्व 17 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।

भारतीय चालक दल की नाव में लगी आग, एक की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

7-8 मई को मध्यरात्रि भारतीय ध्वज वाले कार्गो जहाज 'अल फ़ैज़ नूर सुलेमानी' दुबई से यमन की ओर जा रहा था। 07-08 मई की मध्यरात्रि में में भारतीय समयानुसार लगभग 2.30 बजे स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ के पास पहुंचते समय क्रॉसफ़ायर के दौरान एक ड्रोन ने जहाज पर हमला किया।

हमले के वक्त सामान्य माल से लदी एक लकड़ी के जहाज पर 18 भारतीय क्रू मेंबर्स सवार थे। हमले में भारतीय नाविक अल्ताफ तलाब केर की मौत हो गई, जबकि 4 भारतीय क्रू मेंबर्स घायल हो गए। चालक दल के सदस्यों को उस क्षेत्र से गुजर रहे एक जहाज ने बचाया।

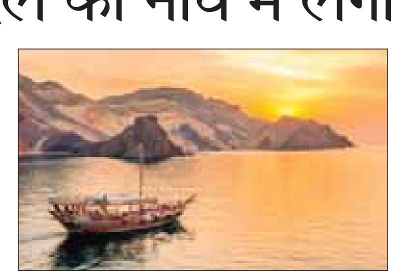

एक भारतीय चालक दल के सदस्य का हाथ टूट गया, दूसरे की चिन पर एक तेज वस्तु टकराया जबकि दो अन्य मामूली रूप से झुलस गए। घायलों का दुबई में इलाज चल रहा है और वे सुरक्षित हैं। मरने वाले नाविक द्वारका के जाम सुलाया कस्बे के रहने वाले हैं। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने कल रात बचाए गए भारतीय नागरिकों से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य दूतावास नाव मालिक के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

भारत सरकार
सोमनाथ
सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥
सोमनाथ
विरासत के 75 साल
सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है।
75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ।
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें
मुख्य गतिविधियां
कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन
श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026
"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)
सोमनाथ की दिव्यता एवं भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।
D-11019/26
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

नेशनल लोक अदालत में जिले में समझौते से निपटे 7992 प्रकरण

मनमुटाव दूर हुआ, पुनः साथ रहने का लिया निर्णय, घायलों को इलाज के लिए मिली राशि

हरिभूमि जबलपुर।

नेशनल लोक अदालत में शनिवार को सुबह से शाम तक जबलपुर जिला अदालत, पाटन व सिहोरा की तहसील अदालतों में लंबित 1939 और प्री-लिटिगेशन के 6053 मामलों का परस्पर समझाइश से निपटारा कर दिया गया। कुल 7992 प्रकरणों में 28 करोड़ 63 लाख 57 हजार 394 रुपये का मुआवजा वितरित हुआ।

राष्ट्रीय लोक अदालत में दंपतियों का मनमुटाव दूर हुआ और उन्होंने पुनः साथ रहने का निर्णय लिया। एक-दूसरे को माला पहनाकर विवादरहित अवस्था में घर की ओर मुस्कुराते हुए लौटे। इसी तरह सड़क दुर्घटना में मृतकों के स्वजनों को क्षतिपूर्ति व घायलों को इलाज के लिए सहायता राशि मिली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर की सचिव शक्ति वर्मा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जबलपुर के प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा के मार्गदर्शन में सुबह राष्ट्रीय लोक अदालत ने गति पकड़ी। इस बार प्रकरणों के निराकरण के लिए कुल 82 खंडपीठ गठित की गई थीं।

इस तरह हुआ निराकरण

राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय प्रकृति के 326 प्रकरण, चेक बाउंस के 192 प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 479 प्रकरण, सिविल मामलों के 35 प्रकरणों, विवाह संबंधित प्रकरण 66 एवं विद्युत अधिनियम के अंतर्गत 96, अन्य प्रकृति के 841 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। चेक बाउंस प्रकरणों में कुल 32841901 रूपये के समझौता राशि के निर्णय किए गए। मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के प्रकरणों में 198292983 के अवार्ड राशि पारित की गई। विद्युत के न्यायालयों में लंबित 96 प्रकरणों में 1331641 की राशि की वसूली हुई। इसी यातायात चालन के 683 प्रकरणों में 170100 राशि वसूल की गई। बैंक संबंधी मामलों में बैंक रिकवरी के 566 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में निराकरण उपरांत 16532718 की समझौता राशि लोक अदालत में प्राप्त हुई।

फाइल फोटो

फिर जुड़े बिखरे रिश्ते

पिछले लगभग एक वर्ष से अलग रह रहे पति संजू धानुक व पत्नी योगिता धानुक ने आपसी मनमुटाव भुलाकर पुनः साथ रहने का निर्णय लिया। लंबे समय से चले आ रहे वैवाहिक विवाद के कारण दोनों के दाम्पत्य जीवन में गतिरोध उत्पन्न हो गया था। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय द्वारा दी गई समझाइश, पारिवारिक सहयोग एवं आपसी संवाद के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के बीच पुनः विश्वास व स्नेह का वातावरण निर्मित हुआ। इसके उपरांत पति पत्नी ने न्यायालय कक्ष में एक दूसरे को वरमाला पहनाकर साथ रहने, एक दूसरे का सम्मान करने तथा सुख-दुःख में साथ निभाने का संकल्प लिया। इस भावुक एवं सुखद क्षण के साक्षी न्यायाधीश, दोनों पक्षों के स्वजन, अधिवक्तागण व न्यायालयीन स्टाफ रहे। पति-पत्नी के पुनर्मिलन से न्यायालय परिसर में उपस्थित सभी लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इसी तरह आवेदिका बुशरा अंजुम पति शेख तालिब, निवासी रद्दी चैकी, अजीजगंज पखियाना, थाना गोहलपुर, द्वारा अपने वैवाहिक विवाद के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण में अनावेदकगण के रूप में पति शेख तालिब, ससुर शेख सलीम, सास गुड्डी बाई व देवर छोटू, निवासी ग्राम कुसली उपस्थित रहे। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों को न्यायालय द्वारा समझाइश दी गई। आपसी संवाद व पारिवारिक सहयोग से पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चले आ रहे मतभेद दूर हुए। चर्चा के दौरान दोनों ने पुराने विवादों को भुलाकर पुनः साथ रहने की इच्छा व्यक्त की। पति शेख तालिब ने अपनी पत्नी बुशरा अंजुम को सम्मानपूर्वक अपने साथ वैवाहिक गृह ले जाने की सहमति दी, वहीं आवेदिका ने भी अपनी स्वेच्छा से पति के साथ दाम्पत्य जीवन पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया। आपसी सहमति एवं विश्वास के साथ हुए इस समझौते से दोनों परिवारों में खुशी का वातावरण निर्मित हुआ। पक्षकारों ने भविष्य में प्रेम, सम्मान एवं सौहार्द के साथ वैवाहिक जीवन व्यतीत करने का संकल्प लिया। इस प्रकार आपसी राजीनामे एवं समझौते के आधार पर प्रकरण का सौहार्दपूर्ण निराकरण कर समाप्त किया गया।

बरगी क्रूज हादसे में सामने आया क्रूज पायलट महेश

दावाः 12 साल में कभी नहीं मिला मौसम अलर्ट

जबलपुर। बरगी बांध में 30 अप्रैल को हुए दर्दनाक क्रूज हादसे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। हादसे में 13 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें महिला, पुरुष और मासूम बच्चे भी शामिल थे। अब इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि मौसम विभाग द्वारा येलो अलर्ट जारी किए जाने के बावजूद क्रूज संचालन आखिर क्यों जारी रखा गया।

हादसे के वक्त क्रूज चला रहे चालक महेश पटेल ने पहली बार सामने आकर दावा किया है कि पिछले 12 वर्षों में उन्हें कभी भी मौसम विभाग की चेतावनी या किसी तरह के अलर्ट की जानकारी नहीं दी गई। उनके इस बयान ने पर्यटन विभाग, आउटसोर्स कंपनी और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महेश पटेल एमपी टूरिज्म के तहत भोपाल से संचालित आउटसोर्स कंपनी आरबी एसोसिएट ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड का कर्मचारी है। हादसे के समय कंपनी का स्थानीय प्रबंधन तत्कालीन मैनेजर सुनील मरावी के पास था, जो घटना के बाद से गायब बताया जा रहा है।

कभी नहीं दी गई मौसम जानकारी

पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल मौसम अलर्ट को लेकर उठ रहा है। हादसे से एक दिन पहले मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया था, लेकिन इसके बावजूद क्रूज चलता रहा। महेश पटेल ने दावा किया कि वह पिछले 12 साल से बरगी बांध में क्रूज चला रहे हैं, लेकिन उन्हें कभी भी मौसम विभाग की चेतावनी की जानकारी नहीं दी गई।

सब कुछ अचानक हुआ

सबकुछ अचानक हुआ। क्रूज चालक महेश पटेल के मुताबिक हादसे वाले दिन शुरुआती 35 मिनट तक सब सामान्य था। पर्यटक गाने सुन रहे थे, फोटो-वीडियो बना रहे थे, तभी अचानक तेज आंधी और ऊंची लहरें उठने लगीं। स्थिति बिगड़ते देख यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनाई गई, लेकिन तेज तूफान के कारण क्रूज नियंत्रण से बाहर हो गया। महेश ने बताया कि उन्होंने क्रूज को किनारे लगाने की कोशिश की, लेकिन एक बड़ी लहर का पानी इंजन में घुस गया और कुछ ही देर में क्रूज डूबने लगा। हादसे के बाद चालक के भागने की चर्चा पर महेश ने कहा कि वह आखिरी समय तक लोगों को बचाने में लगा रहा और खुद भी लहरों में बह गया था। उनका दावा है कि क्रूज में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी और हादसा केवल खराब मौसम की वजह से हुआ।

जिला प्रशासन की जांच जारी

इधर हादसे की जांच तेज हो गई है। जिला प्रशासन की टीम लगातार कर्मचारियों और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। अब तक करीब 40 लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि मौसम अलर्ट के बावजूद क्रूज संचालन क्यों जारी रखा गया।

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा रीजनल होम स्टे समिट आयोजित

जबलपुर में पर्यटन को लेकर हैं अपार संभावनाएं : कलेक्टर

जबलपुर। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा होटल कल्चुरी में आयोजित रीजनल होम स्टे समिट में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि जबलपुर पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील शहर है। यहां प्राकृतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन के अनेक केंद्र मौजूद हैं, जहां होम स्टे की अवधारणा को नई पहचान मिल सकती है। उन्होंने कहा कि होम स्टे केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि पर्यटकों के साथ आत्मीय संबंध स्थापित करने का माध्यम है। पर्यटन में अतिथियों के अनुभव और सुविधा को प्राथमिकता देना जरूरी है, जिससे जबलपुर और मध्यप्रदेश का पर्यटन और अधिक मजबूत होगा। कार्यक्रम की शुरुआत बरगी बांध क्रूज हादसे में मृत लोगों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर पर्यटन बोर्ड के डायरेक्टर डी.बी. सिंह, प्रबंधक गायत्री जोशी, वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीकांत शर्मा तथा एसआईएचएम के प्राचार्य दविंदर सिंह सहित पर्यटन एवं होम स्टे क्षेत्र से जुड़े कई लोग उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि होम स्टे का उद्देश्य केवल होटल का विकल्प देना नहीं, बल्कि स्थानीय संस्कृति, परंपरा और आत्मीयता से पर्यटकों को जोड़ना है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण सत्रों का लाभ उठाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों द्वारा होम स्टे से संबंधित उत्पादों और सेवाओं के 12 स्टॉल लगाए गए, जिनका कलेक्टर ने अवलोकन कर प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की।

यातायात अभियान में 190 वाहन चालकों के काटे चालान

जबलपुर। सडक़ हादसों को रोकने के लिए चलाये जा रहे विशेष यातायात अभियान के तहत जहां दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के लिए जागरूक किया जा रहा है वहीं इसके साथ हेलमेट लगाये बिना वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ चलानी कार्यवाही भी की जा रही है। इस दौरान अभी तक बिना हेलमेट लगाये दोपहिया वाहन चलाने वाले 190 वाहन चालकों के चालान काटे जा चुके हैं वहीं पीओएस मशीन की मदद से चालकों के डाईविंग लायसेंस की निलबंन की कार्यवाही हेतु आरटीओ को भी प्रकरण भेजे गये हैं। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू करने नौ पार्किंग जोन में खड़े होकर यातायात को बाधित करने वाले वाहनों को जहां क्रेन से वाहनों को उठाकर जब्त किया जा रहा है वहीं वाहनों के ब्हील लॉक करने की भी कार्यवाही सतत रूप से की जा रही है। आदेश के परिपालन में पुलिस अधीक्षक यातायात संतोष कुमार शुक्ला, बैजनाथ प्रजापति व संगीता डामोर एवं तीनों यातायात थानों के प्रभारियों की टीम बनाकर हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत शासकीय व निजी सस्थानों व शहर के मुख्य चौराहों पर दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाने प्रेरित किया जा रहा है।

जबलपुर में 23-24 मई को होगा साहू समाज का राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय आयोजन

जबलपुर। अखिल भारतीय तैलिक साहू सभा एवं मप्र तैलिक साहू सभा का राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आगामी 23 एवं 24 मई को जबलपुर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने हेतु विजय नगर स्थित कचनार क्लब में बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एवं राजनीतिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद साहू, कार्यवाहक अध्यक्ष रमेश कुमार साहू, कोषाध्यक्ष मदन लाल साहू, अतिरिक्त महासचिव हितेश साहू तथा महिला मंडल की प्रदेश एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती आभा साहू सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जबलपुर के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। साथ ही 23 मई को मध्यप्रदेश तैलिक साहू सभा के नवनियुक्त पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह एवं 24 मई को राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण सम्मेलन तथा अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की तैयारियों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में समाज के पदाधिकारियों एवं महिला मंडल की सदस्याओं ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन महासचिव अनिल कुमार साहू अकेला ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन श्रीमती आभा साहू ने किया। इस अवसर पर जिला साहू समाज अध्यक्ष वीरेंद्र साहू, राधेश्याम साहू, दीपक साहू, कैलाश साहू, पार्षद राहुल साहू, श्रीकांत साहू, उमेश साहू ओज सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

महाकोशल यूनिवर्सिटी में विवाद

कुलगुरु और कुलसचिव गुट में मारपीट

जबलपुर। महाकोशल यूनिवर्सिटी में कुलगुरु और कुलसचिव गुट के बीच विवाद का मामला सामने आया है। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट और तोड़फोड़ तक की नौबत आ गई। मामले में दोनों पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार विवाद परीक्षा परिणाम और कथित लेन-देन को लेकर शुरू हुआ। 7 मई को विश्वविद्यालय कर्मचारी रामेश्वर रघुवंशी और फार्मेसी विभाग के शिक्षक अमन शुक्ला के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद कुलसचिव रामप्रकाश चौबे ने इस्तीफा दे दिया। बाद में उन्होंने आरोप लगाया कि उनसे दबाव बनाकर इस्तीफा लिखवाया गया। विवाद बढ़ने की जानकारी मिलने पर कुलाधिपति डॉ. अनिल मिश्रा सागर से जबलपुर पहुंचे और 8 मई को दोनों पक्षों की बैठक बुलाई गई। आरोप है कि बैठक के दौरान गाली-गलौज के बाद दोनों गुटों में हाथापाई हो गई। रामेश्वर रघुवंशी ने तिलवारा थाने में शिकायत देकर आरोप लगाया है कि उसके साथ मारपीट की गई। वहीं कुलपति आरसी मिश्रा ने भी दूसरे पक्ष पर हमला करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि देर शाम कुछ युवक विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचे और वहां तोड़फोड़ की। घटना के बाद परिसर में तनाव का माहौल बना रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पश्चिमी विक्षोभ से मौसम के मिजाज बेपटरी

शहर में बूंदाबांदी, पनागर में ओलावृष्टि

जबलपुर। जबलपुर में मौसम बेपटरी हो गया है, सुबह से धूप निकलती है शाम होते होते बादल छाने लगते हैं. कहीं कहीं बूंदाबांदी भी होने लगती है. शहर में खंड खंड वर्षा हो रही है. शनिवार को भी जबलपुर में ऐसा ही मौसम बना रहा. शहर में जहां बादलों के बीच बूंदाबांदी हुई वहीं पनागर के गांवों में ओले गिरने के समाचार मिले. ओलावृष्टि से मूंग उड़द की फसल को नुकसान पहुंचा है. मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमि विक्षोप सक्रिय है राजस्थान से छत्तीसगढ तक बनी दोण्रिका के प्रभाव से बादल छा रहे हैं और बूंदा बांदी हो रही है. अगले चौबिस घंटों के दौरान भी तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है. स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्वी मध्य प्रदेश के उपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है. जिसके प्रभाव से तेज हवाएं चल रही हैं और बारिश के आसार बरकरार हैं. पूर्वी मध्य प्रदेश के जिलों में ऐसे ही मौसम के मिजाज चल रहे हैं. जिससे तापमान में गिरावट है लेकिन उमस की वजह से गर्मी बनी हुई है. पिछले 24 घंटों के दौरान जबलपुर में 0.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई. पनागर के गांव उर्दुआ कला, बम्नौदी, भिरारी कला और बम्हनौदा में शनिवार की शाम 4.30 बजे ओला वृष्टि हुई. बम्हनौदा में छोटे ओले गिरे जबकी अन्य गांव में बड़े बड़े ओले गिरे।

मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 39.02 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 42 प्रतिशत और सायंकाल 38 प्रतिशत आंकी गई। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 37.5 और न्यूनतम तापमान 24.0 दर्ज किया गया था। सूर्योदय सुबह 5.31 और सूर्यास्त 6.41 बजे होगा. प्रदेश में सबसे अधिक 43.5 डिग्री तापमान रतलाम जिले में दर्ज किया गया। दक्षिणी पूर्वी हवाएं 4-5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर तड़ति झंझावत के साथ तेज हवाएं चलने और हल्की वर्षा की संभावना है।

रास्ते में गाड़ी खड़ी करने के विवाद में दंपति व बेटी घायल

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत पुराना शोभापुर में गाड़ी रास्ते में खड़ी करने से मना करने की बात पर एक पिता पुत्र ने मिलकर एक परिवार के पति पत्नी व उनकी बेटी पर डंडे से हमलाकर घायल कर दिया। घायल बेटी को ज्यादा चोटें आने के कारण उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराना शोभापुर रांझी निवासी 49 वर्षीय मोहम्मद खालिक के घर के सामने रास्ते में गत रात करीब 11.45 बजे सरीफ खान और उसका पुत्र सुल्तान खान ने बाईक खड़ा कर दिए, जिन्हें रास्ते में गाड़ी खड़ी करने से मना किया तो दोनों गालीगलौज कर डंडे से हमला कर दिया। उसी दौरान सुलतान खान, सरीफ की पत्नी लुभना खान एवं मोहल्ले का अनीश खान भी आ गए और मोहम्मद खालिक के साथ मारपीट कर दी। मोहम्मद खालिक की पत्नी शहनाज और लडकी सोनम खान बीच बचाव करने आए तो सुल्तान खान ने पत्नी शहनाज बी के सिर में डंडा मार दिया और सरीफ खान ने बेटी सोनम के सिर पर डंडे से हमला कर दिया, जिस कारण उसे सिर पर अधिक चोटें आ जाने के कारण सिविल अस्पताल रांझी लेकर गए जहां से उसे विक्टोरिया अस्पताल जबलपुर रेफर कर दिए है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर 296बी, 115(2), 118(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

लंबित अपराधों का समय सीमा से निराकरण करने निर्देश

पुलिस कप्तान ने किया मदनमहल थाने का निरीक्षण

जबलपुर। पुलिस कप्तान ने शनिवार को यहां मदनमहल थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मालखाने का जायजा लेते हुए जब्ती माल और पुलिस के अस्त्र शस्त्र, ड्रिल सामग्री, को देखा साथ ही थाने के रिकार्ड चैक किए। उन्होंने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का समय सीमा के अंदर निराकरण किया जाए। इसके साथ ही पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने सायबर हैल्प डैस्क का निरीक्षण करते हुये साइबर फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं मोबाइल गुमने जैसी अन्य साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने लंबित सी.एम. हैल्प लाईन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का शीघ्र निराकरण किया जाएं।

थाने में उपस्थित अधिकारी, कर्मचारियों को एसपी ने निर्देशित किया कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धों एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहते हुये इनके द्वारा की गयी शिकायतों पर तत्काल विधिसंगत कार्यवाही करते हुये तत्काल राहत पहुंचाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिये। निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली रीतेश कुमार शिव एवं थाना प्रभारी मदनमहल धीरज राज उपस्थित रहे।

मॉइश्चर जांच, तौल व्यवस्था और किसानों की सुविधाओं का लिया जायजा

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने सिहोरा के गेहूं खरीदी केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जबलपुर। राघवेंद्र सिंह ने सिहोरा विकासखंड के घाट सिमरिया और गौरहा स्थित गेहूं खरीदी केंद्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं की गुणवत्ता जांचने के लिए मॉइश्चर माप प्रक्रिया देखी तथा तौल कांटों का भौतिक सत्यापन कराया। कलेक्टर सिंह ने केंद्रों पर बारदाने की उपलब्धता, भंडारण व्यवस्था और सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया। साथ ही स्टॉक वेरिफिकेशन के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खरीदी केंद्रों पर मौजूद किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। गौरहा स्थित खरीदी केंद्र में 300 ग्राम अधिक तौल पाए जाने पर संबंधित अधिकारी को पंचनामा बनाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को साफ-सफाई बनाए रखने और किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के समय एसडीएम मती ज्योति परस्ते, सहायक आपूर्ति नियंत्रक प्रमोद मिश्रा, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों के लैप्स हुए स्लॉट की अवधि बढ़ेगी

बैठक में बताया गया कि जिन किसानों को तौल पर्ची मिल चुकी है लेकिन सर्वर की समस्या के कारण उनसे खरीदा गया गेहूं अभी तक पोर्टल पर नहीं चढ़ाया जा सका है और स्लॉट की अवधि भी समाप्त हो गई है, ऐसे किसानों की स्लॉट की अवधि डीएसओ लॉगइन के माध्यम से बढ़ाई जा रही है।

बैठक में जानकारी दी गई कि किसानों को आस-पास के खरीदी केन्द्रों पर भी स्लॉट ट्रांसफर करने की सुविधा भी डीएसओ लॉगइन पर उपलब्ध कराई गई है। यदि किसी खरीदी केन्द्र पर गेहूं का विक्रय करने वाले किसानों की संख्या बहुत अधिक हो रही है तब ऐसी स्थिति में अन्य किसान अपने स्लॉट दूसरे खरीदी केन्द्रों पर ट्रांसफर करा सकते हैं। ऐसे किसानों की सूची कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों द्वारा किसानों की सहमति से बनाई जा रही है। किसान स्वयं भी स्लॉट ट्रांसफर करने के लिए अपने आवेदन सहायक आपूर्ति अधिकारी को दे सकते हैं।

अभी तक 12 लाख क्विंटल गेहूं का उपार्जन

बैठक में बताया गया कि शनिवार तक जिले में 20 हजार 680 किसानों से लगभग 12 लाख क्विंटल गेहूँ का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को करीब 114 करोड़ रूपये का भुगतान भी कर दिया गया है। समर्थन मूल्य पर गेहूं का विक्रय करने जिले में पंजीयन कराने वाले 50 हजार 788 किसानों में से शनिवार तक 36 हजार 946 किसानों द्वारा स्लॉट बुक कराये जा चुके हैं। बैठक में नोडल अधिकारी उपार्जन संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन, प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक सीमा बोरसिया तथा उपार्जन समिति के सभी सदस्य मौजूद थे।

शिक्षा मंत्री सिंह का बहोरीबंद विधायक प्रणय पांडे के निवास पर हुआ भव्य स्वागत

सिहोरा। कटनी जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह शिक्षा मंत्री के साथ संगठन महामंत्री एंव महाकौशल प्रभारी राहुल कोठारी के कटनी से जबलपुर प्रस्थान के दौरान सिहोरा अल्प प्रवास पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। सिहोरा नगर में बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पाण्डे के निवास पर विधायक पाण्डे के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह में मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बंगाल में पार्टी की जीत को भाजपा की सबका साथ सबका विकास की नीति एवं कार्यकर्ता की मेहनत का परिणाम बताते हुए सभी को बधाई दी । विदित हो शनिवार की देर शाम कटनी जिले के प्रभारी मंत्री के सिहोरा आगमन पर जहा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओ व गणमान्य नागरिकों द्वारा आतिशी स्वागत सत्कार किया और भेंट की। वहीं प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने नगर के गणमान्य नागरिकों व भाजपा के बरिष्ठ नेताओं से भेंट की। इस अवसर पर कटनी भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री जनपद पंचायत अध्यक्ष,राजा मोर, पुष्प राज बघेल,दिनेश चौरसिया,विनय असाटी प्रांजल पांडे,वैभव पांडे,माधव मिश्रा,कैलाश पंजाबी,सतीश पटेल, अभिषेक तिवारी,अभिषेक परौहा, संजय जैन, राजेन्द्र दिक्षित,शंशाक पांडे,अनिकेत तिवारी, शिशिर पांडे,संजू चौहान,पलाश दुबे,संजय जैन,विनय परिहार, अमित दिक्षित सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोल आदिवासी उत्थान समिति का सामूहिक विवाह समारोह आज

सिहोरा।

आदिवासी उत्थान समिति के तत्वावधान में आज रविवार को आदर्श सामूहिक विवाह एंव वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन मंगीलाल, सुखीलाल, गगन, चम्मू, लल्ला, रवि रुपलाल,चैनू,प्रीतमलाल,गनेश,सुरेश के मार्गदर्शन में किया गया है। समाज के मुन्ना लाल कोल ने बताया आयोजन पचपेडी पोंडा में दोपहर 11 बजे से पाटन विधायक अजय विश्नोई,पूर्व विधायक एंव अध्यक्ष कोल विकास प्राधिकरण रामलाल रौतेल के मुख्य आतिथ्य,श्रवण कुमार कोल जनपद सदस्य की अध्यक्षता एंव आशा गोटिया जिला पंचायत अध्यक्ष,विद्या दिनेश चौरसिया जनपद पंचायत मझौली अध्यक्ष,क्षिप्रा चौरसिया नगर पंचायत मझौली अध्यक्ष के विशिष्ट आतिथ्य तथा में किया गया है ।सभी से पहुंचने की अपील की गई है।

भाजपा ग्रामीण में पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का दो दिवसीय वर्ग प्रारंभ

जबलपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत भाजपा जबलपुर जिला ग्रामीण का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग कृष्णनम रिसॉर्ट, पाटन बायपास के समीप प्रारंभ हुआ। वर्ग के प्रथम दिवस सात सत्र आयोजित किए गए, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने जिले के अपेक्षित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

वक्ताओं ने कहा कि पार्टी संगठन कार्यकर्ताओं की क्षमता, विचारशीलता और समर्पण से ही सशक्त बनता है। प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और संगठन के कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं को न केवल पार्टी की विचारधारा से अवगत कराना, बल्कि उन्हें जनता के बीच पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों से जोड़ना भी है। उद्घाटन सत्र में भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। सांसद आशीष दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक सुशील तिवारी इंदु, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, श्रीमती मनीषा सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष रानू तिवारी और पूर्व विधायक श्रीमती नंदनी मरावी उपस्थित रहे। उद्घाटन वन्दे मातरम गायन के साथ हुआ और अतिथियों ने चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। वर्ग की प्रस्तावना ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल ने रखी। प्रथम दिवस के सत्रों को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती नंदिता पाठक, तीर्थ मेला प्राधिकरण अध्यक्ष विनोद गोंटिया, मप्र अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष कैलाश जाटव, पूर्व सांसद श्रीमती नीता पटेरिया, पूर्व विधायक रमेश भटेरे और पूर्व महापौर कटनी शशांक श्रीवास्तव तथा पूर्व जिला अध्यक्ष सिवनी सुश्री मौसम बिसेन ने संबोधित किया।

डी.बी. क्लब एवं जबलपुर हेल्पिंग एसोसिएशन की पहल

हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को मिला शीतल एवं शुद्ध पेयजल हेतु वाटर कूलर

जबलपुर। डी.बी. क्लब, जी.सी.एफ. स्टेट स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाजसेवी संगीता नाथ एवं उनके परिवार द्वारा 08 मई 2026 को एक वाटर कूलर प्रदान किया गया। यह वाटर कूलर जबलपुर हेल्पिंग एसोसिएशन के माध्यम से स्कूल परिसर में स्थापित कराया गया। उल्लेखनीय है कि संगीता नाथ एवं उनके परिवार द्वारा पिछले 14 वर्षों से लगातार प्रत्येक वर्ष जबलपुर शहर के विभिन्न आवश्यक स्थानों पर जनहित में वाटर कूलर स्थापित किए जा रहे हैं। उनकी इस सामाजिक सेवा भावना की विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों ने सराहना की। वाटर कूलर स्थापित होने से भीषण गर्मी में छात्र-छात्राओं को शीतल एवं शुद्ध पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी, जिससे उनमें हर्ष एवं उत्साह का वातावरण देखा गया।

इस अवसर पर डी.बी. क्लब के प्रेसिडेंट एवं सेक्रेटरी सहित समाजसेवी संगीता नाथ, आलोक चक्रवर्ती, संजीव कुमार डे, शैलेंद्र दयाल, अमर सिंह राजपूत, रवि पटेल, चरणजीत सिंह अरोरा, राकेश महाजन, संतोष पटेल, शरद नेमा, अरविंद पटेल, तुषार नाथ, एस.पी. दत्ता, सुष्मिता दास, संदीप गौर, सुरेंद्र सिंह, पूजा कोस्टा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

घर से भागे बालक को परिजनों के सुपुर्द किया

जबलपुर।

रेलवे स्टेशन जबलपुर मुसाफिरखाना से बालक सोमोजीत चटर्जी पिता सौरभ चटर्जी उम्र 18 साल निवासी 4-ए काशीश्वर चटर्जी लेन थाना लालबाजार जिला कोलकाता (प. बंगाल) थाना काशीपुर जिला कोलकाता (प. बंगाल) से पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि 12th में कम नंबर आने से घर से भागा हुआ है। उपरोक्त बालक से सहानुभूति पूर्वक नाम, पता पूछा एवं परिजनों का नंबर लिया, बाद जरिये मोबाइल परिजनों से सम्पर्क किया जिन्होंने बताया कि हमारे द्वारा थाना काशीपुर में रिपोर्ट करायी गयी है। बाद थाना काशीपुर से उपनिरी. रजत कांति मलिक, आर. 18528 विनोद कुमार राय द्वारा बताया गया हमारे थानें में अप क्र. 72/26 धारा 140 (3) बीएनएस का अपराध कायम है। जिन्हें जीआरपी थाना जबलपुर आने को कहा गया जो दिनांक 08/05/26 को थाना काशीपुर से उपनिरी. रजत कांति मलिक, आर. 18528 विनोद कुमार राय व बालक के पिता सौरभ चटर्जी पिता मुकुल चटर्जी उम्र 53 वर्ष व माता झौमली चटर्जी पति सौरभ चटर्जी उम्र 45 वर्ष निवासी 4-ए काशीश्वर चटर्जी लेन थाना लालबाजार जिला कोलकाता (प. बंगाल) थाना उपस्थित हुए जिन्हें बालक सुपुर्द किया गया।

सुदर्शन समाज ने बरगी हादसे में दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की

जबलपुर। सुदर्शन समाज ने बरगी क्रूज हादसे में दिवंगतों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। द्वारका नगर, कछियाना में समाज के महिला, पुरुषों एवं नन्हे बच्चों ने भी हाथों में कैंडिल लेकर मार्च में भाग लिया तथा कार्यस्थल में कैंडिल लगाकर दिवंगतों की आत्मा की शांति हेतु मौन श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ विष्णु मलिक, प्रसादीलाल बिरहा, श्यामनारायण बिरहा, अनिल ठकुराशी, भागचंद अधिकार, जीवन मलिक, गुड्डू शर्मा, संजीत, पंकज, संजू, सतीश बिरहा, मनोज रघुवंशी, तन्नू नाहर, सुधीर, सुशील ठकुराशी, महेन्द्र बिरहा, शीला ठकुराशी, रंजीता बान, आनंद उमेश ग्रावकर, प्रेमवती वर्मा, लता रघुवंशी, ताराबाई रघुवंशी, कु. पूजा, कु. दीपाली, कु. पूनम, अनन्या, चिराग, अनुज, गौरत, देबू, अंशु, गीतांश, तब्बू बिरहा, हर्ष, शुभ रघुवंशी सहित अन्य उपस्थित रहे।

दुर्गा हनुमान मंदिर में विशेष योग प्रशिक्षण आज

जबलपुर। मातृ दिवस के अवसर पर 8 मई शाम 6 बजे सार्वजनिक दुर्गा हनुमान मंदिर समिति एवं केके योगा क्लास के तत्वावधान में तीन दिवसीय निःशुल्क योग प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला प्रभारी राजुल बड़कुल दीदी के मार्गदर्शन में आरंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे, मातृ शक्तियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इसी श्रृंखला में आज मातृ दिवस के विशेष अवसर पर योग, आकर्षक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण होगा। कार्यक्रम में मुख्य योग प्रशिक्षक योगाचार्य संगीता ब्यौहार, रेखा खरे, रश्मि चौधरी, वैशाली तेजवानी, रश्मि यादव, श्वेता गुप्ता द्वारा योग प्रेमियों ने योग और हर तरह के शारीरिक रोगों के निदान के बारे में एवं नाम संकीर्तन द्वारा तन-मन को एकाग्र करने का भी ज्ञान सीखा। इस अवसर पर प्रीति गुप्ता, कीर्ति चौहान, आकांक्षा बादल, मनीषा अग्रहरि, समिति के अध्यक्ष सहित समस्त कार्यकारिणी ने मातृशक्ति, भाई बंधु, बच्चों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

तक्षशिला ग्रुप में ओपन कैंपस, 108 छात्रों का हुआ चयन

जबलपुर।

तक्षशिला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में पॉलीटेक्निक डिप्लोमा, आई.टी.आई. एवं इंजीनियरिंग छात्रों के लिए विजन इंडिया के सौजन्य से ओपन कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। कैंपस में एम.आर.एफ.-हैदराबाद, सनाईडर-बैंगलोर, सुब्रोस-नोयडा, आदित्य बिरला-पुणे एवं अल्ट्रॉवायलेट-बैंगलोर जैसी कंपनियों ने सहभागिता की। प्लेसमेंट प्रक्रिया में छात्रों ने लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में भाग लिया, जिसके बाद 108 छात्रों का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों को लगभग 4.2 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हैदराबाद, बैंगलोर, नोयडा एवं पुणे में नियुक्ति मिलेगी। विजन इंडिया सर्विसेस के एचआर लालमनी पटेल ने बताया कि चयनित छात्रों को स्थापना एवं कमिशनिंग इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल तकनीशियन तथा मैकेनिकल तकनीशियन पदों पर नियुक्त किया जाएगा। संस्था के चेयरमेन आर.एन. पहारिया ने कहा कि तक्षशिला ग्रुप सदैव प्रतिभावान छात्रों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर सचिव शरद कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव शरद जैन, ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आई.के. खन्ना एवं प्राचार्य डॉ. बी.के. साहू ने चयनित छात्रों को बधाई दी। कैंपस आयोजन को सफल बनाने में टीपीओ डॉ. नितिन गौर, प्रो. गुरबानी कौर पदम एवं प्रो. पलक पैगवार का विशेष योगदान रहा।

नाम एवं जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I, RANEE DEVI is legally Mother of ARMY NO-15740118H, Rank- HAV Name AJAY VEER SINGH presently residing at Vill- RASULPUR, POST-JARARA Teh- KHAIR,Distt.- ALIGARH State-UTTAR PRADESH, PIN-202138. शपथपूर्वक नि लि कथन करती हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम एवं जन्म तिथि RANIYA DEVI /02/06/1963 दर्ज है। जो कि गलत हैं। यह कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम एवं जन्म तिथि RANEE DEVI/01/01/1965 दर्ज हैं। जो कि सही हैं मेरे नाम को पढा व सुना एवं मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए ।द्वारा शपथ पत्र नं 38AA 580941 दिनांक 09-05-26 नोटरी जबलपुर म.प्र.

गलत नाम एवं जन्म तिथि-RANIYA DEVI- 02/06/1963
सही नाम एवं जन्मतिथि
RANEE DEVI /01/01/1965

श्रीमती जानकी देवी अग्रवाल- त्रिवेणी ग्रीन रेसीडेंसी पोलीपाथर निवासी प्रो. मानिक चंद्र अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी देवी अग्रवाल (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुषमा बाई चौधरी- रविदास नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री शिव कुमार चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती सुषमा बाई चौधरी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम दयाल पारिमल- टेंडर वन छापर रामपुर निवासी श्री राम दयाल पारिमल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. पलक रजक- ढलगर मोहल्ला हनुमानताल निवासी श्री राकेश रजक की पुत्री कु. पलक रजक (19) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गीता बाई शिवहरे- गौरीघाट पानी की टंकी के पास निवासी श्री मातवर प्रसाद शिवहरे की धर्मपत्नी श्रीमती गीता बाई शिवहरे (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आरती चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई शीतलमाई निवासी श्री कन्हैया लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती आरती चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती जानकी सोनी- तुलसीनगर दमोहनाका निवासी श्री जीवन लाल सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी सोनी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामकुमार सोंधिया- कंजड़ मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री रामकुमार सोंधिया (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अरूण गुप्ता- हाउबाग गोरखपुर निवासी श्री अरूण गुप्ता (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुन्ना चक्रवर्ती- झंडा चौक राधाकृष्णन वार्ड सिद्धबाबा रोड निवासी श्री मुन्ना चक्रवर्ती (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अर्जुन यादव- बड़ी ओमती निवासी श्री अर्जुन यादव का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पुटूना शुक्ला- त्रिमूर्ति नगर नब्बे क्वाटर निवासी श्री राजमणी शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती पुटूना शुक्ला (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती अनार बाई गोंटिया- कुलियाना मोहल्ला आमनपुर मदनमहल निवासी श्री पल्टूराम गोंटिया की धर्मपत्नी श्रीमती अनार बाई गोंटिया (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
न्यूनतम साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 10x5 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 10x5 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

संभागीय स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनक्लाइन बैंच प्रेस चयन ट्रायल आज

जबलपुर संभाग स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग संघ एवं नेताजी सुभाषचन्द्र क्लब के संयुक्त तत्वावधान में जबलपुर संभाग स्तरीय स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनक्लाइन बैंच प्रेस चयन ट्रायल प्रतियोगिता स्थानीय श्री जानकीरमण महाविद्यालय, आगा चौक जबलपुर में 10 मई को प्रातः 10 बजे से आयोजित है। चयनित खिलाड़ी इंदौर में होने वाली राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। खिलाड़ियों से समय पर उपस्थिति की अपील संघ की अध्यक्ष श्रीमती सावित्री यादव ने की है।

हमारा जबलपुर भी लिखेगा मुख्यमंत्री को पत्र

मेडिकल यूनिवर्सिटी विखण्डन का मामला

जबलपुर। जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रस्तावित विखण्डन को रद्द करने हेतु मुख्यमंत्री को हमारा जबलपुर संस्था के माध्यम से पत्र भेजा जायेगा। साथ ही यह पत्र जबलपुर के जनप्रतिनिधियों को भी भेजकर इस विखण्डन के खिलाफ आवाज उठाने को उन्हें निवेदन किया जायेगा। यह आश्वासन शनिवार को जबलपुर के वरिष्ठ समाज सेवी तथा उद्योगपति कैलाश गुप्ता ने नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के प्रतिनिधियों को दिया है। कैलाश गुप्ता ने मेडिकल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति डॉ. डी.पी. लोकवानी से दूरभाष पर चर्चा की तथा विखण्डन से निर्मित हो रही विसंगतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कैलाश गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री को पत्र भेजने के बाद भी कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह से भी चर्चा करेंगे। इसके पूर्व नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पी.जी. नाजपांडे, रजत भार्गव, तथा एड. वेदप्रकाश अधौलिया ने कैलाश गुप्ता के कार्यालय में जाकर उनसे विस्तृत चर्चा की तथा बताया कि जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी को हिस्से में बांटने से मेडिकल शिक्षा का "सेंट्रल हब" वाला दर्जा जबलपुर से छीना जायेगा। इससे जबलपुर का कद घटेगा। इसी कारण चिंता का विषय बन गया है।

नाम सुधार सूचना

मैं राजकुमार नोआ पिता देवासहायम नोआ निवासी- 56, वैशाली परिसर, नर्मदा नगर, ग्वारीघाट रोड, पोलीपाथर, जबलपुर म.प्र. सत्य निष्ठा पूर्वक कथन करता हू कि - 1. यह कि मैं उपरोक्त पते की मूल निवासी हूं। 2. यह कि मुझ शपथकर्ता के पिता का नाम पासपोर्ट में DEVASAYAM NOAH लिखा हुआ है जो कि गलत है मेरे पिता का सही नाम DEVASAHAYAM NOAH है जो सही है ।यह कि मेरे पिता का पासपोर्ट में DEVASAYAM NOAH की जगहDEVASAHAYAM NOAH लिखने हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत है ।
दिनांक- 6.5.2026

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन कमांक HIG Jr.- 2 श्री सुशील कुमार शर्मा पिता श्री छन्नू लाल शर्मा को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.11.2012 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री सुशील कुमार शर्मा पिता श्री छन्नू लाल शर्मा का निधन दिनांक 23.03.2026 को हो चुका है। उनकी पत्नि श्रीमती सीमा शर्मा पति स्व. श्री सुशील कुमार शर्मा के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का कटनी बनेगा राष्ट्रीय मॉडल

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल, सोने के साथ अब कटनी के बड़वारा में डोलोमाइट के भंडार-ब्लॉक्स आरक्षित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मप्र का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिए तैयार हैं। अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे।

सोने के साथ तांबा, जिंक, लेड और चांदी के भंडार

इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, लेड, जिंक और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करेगी। इन खनिज संसाधनों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना

डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मप्र की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक शक्ति का नया आधार बन रही है। कटनी की स्लीमनाबाद तहसील के इमलिया गांव, जिसे स्थानीय स्तर पर सुनाही के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर लगभग 3.35 लाख टन से अधिक स्वर्ण अयस्क मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह खोज लगभग 50 वर्षों की लंबी भू-वैज्ञानिक प्रक्रिया और सर्वेक्षण के बाद की गई है। वर्ष 1974 में प्रारंभ हुए भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना व्यक्त की गई थी।

माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0 से मिला वैश्विक निवेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अगस्त 2025 में आयोजित 'माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0' ने कटनी को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेश मानचित्र पर नई पहचान दिलाई। कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रमुख उद्योग समूहों और निवेशकों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर कटनी की खनिज क्षमता और औद्योगिक संभावनाओं को विस्तार से प्रस्तुत किया था। कॉन्क्लेव में 8 बड़ी कंपनियों ने निवेश में रुचि दिखाई थी। इन निवेश प्रस्तावों से सीमेंट, मिनरल प्रोसेसिंग, ऊर्जा, धातु प्रसंस्करण और निर्माण क्षेत्र में बड़े स्तर पर औद्योगिक विस्तार होने की संभावना है। इससे हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होंगे।

50 वर्ष के लिए खनन समझौता

स्वर्ण अयस्क क्षेत्र के विकास के लिए मुंबई की 'प्रॉस्पेक्ट रिसोर्स मिनरल प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी ने 121 करोड़ रुपए से अधिक की बोली लगाकर 50 वर्षों के लिए खनन लीज प्राप्त की है। इससे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश, औद्योगिक गतिविधियां और रोजगार बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल खनिज उत्खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना, वैल्यू एडिशन और रोजगार सृजन सुनिश्चित करना भी है।

खबर संक्षेप

हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष ने साइट विजिट की

भोपाल। हाउसिंग बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष ओम जैन ने अपना पदभार संभाल लिया है। ओम जैन ने शुक्रवार को बोर्ड मुख्यालय पर्यावास भवन में मंडल के कार्यों की समीक्षा की। बोर्ड कमिश्नर गौतम सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अध्यक्ष ओम जैन को बोर्ड के समस्त कार्यों और प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। बैठक में चेयरमैन ओम जैन ने कहा कि मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिये ज्यादा से ज्यादा घर बनाने पर जोर दिया जाए। साथ ही बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों में भी एफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट को बढ़ाया जाए। बैठक के बाद ओम जैन ने हाउसिंग बोर्ड के निर्माणाधीन तुलसी ग्रीन्स प्रोजेक्ट की साइट विजिट की।

बिजली कंपनी की वेंडर मीट 15 को

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी 15 मई को गोविंदपुरा स्थित पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेंटर में वेंडर मीट का आयोजन करेगी। यह वेंडर मीट पॉवर ट्रांसफॉर्मर, स्ट्रेन हार्डवेयर एवं इंसुलेटर सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं के लिए आयोजित की जा रही है। वेंडर एंड कॉन्ट्रेक्टर मीट कंपनी की क्रय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं दक्षता को बढ़ावा देने तथा विक्रेताओं के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

कलेक्टर के समर्थन में उतरे विधायक मिश्रा

भोपाल। रीवा जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारियों और प्रशासन के बीच चल रहे विवाद के बीच सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा खुलकर रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के समर्थन में उतर आए हैं। विधायक अभय मिश्रा ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पंचायत अमले और कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रशासन की सख्ती से घबराकर कुछ लोग आंदोलन और दबाव की राजनीति कर रहे हैं। विधायक अभय मिश्रा ने कहा कि चिंता मत करो कलेक्टर साहब, मेरे पास सबके भ्रष्टाचार की फाइलें हैं। मैं जिला पंचायत अध्यक्ष रहा हूं, कौन क्या करता था सब जानता हूं। जरूरत पड़ी तो सारी फाइलें सामने रख दूंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में भ्रष्टाचार और लापरवाही का खेल चलता रहा है। अब जब प्रशासन जवाबदेही तय कर रहा है तो भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी विरोध कर रहे हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान से की शिक्षा नीति पर चर्चा, नितिन ने की मप्र सरकार की प्रशंसा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन को दिया मप्र आने का निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 8 मई को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नई दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन से संगठन और सरकार को लेकर लंबी चर्चा की। डॉ. यादव ने उन्हें मप्र आने का निमंत्रण भी दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ने भी मप्र सरकार के काम पर प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भी प्रदेश का दौरा करने के लिए कहा।

शिक्षा मंत्री प्रधान जून के पहले या दूसरे हफ्ते में भोपाल आ सकते हैं। इस बीच डॉ. यादव ने शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल के नेता चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि शुभेंदु के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में विकास का नया सूरज उगेगा। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे इस बात का संतोष और आनंद है कि मप्र में सरकार बनने के बाद हमने कई जन कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन के साथ कई राष्ट्रीय मुद्दों पर बात की। हमारा राज्य बेहतर संगठन वाला प्रदेश है। हमने राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ संगठन-सरकार की चर्चा की। उन्होंने हमारे कामकाज पर प्रसन्नता जाहिर की। हमने उन्हें प्रदेश आने का निमंत्रण भी दिया है। भविष्य में हमारे प्रदेश में सिंहस्थ सहित कई बड़े आयोजन होने वाले हैं। इन आयोजनों में सरकार और संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन से की अहम चर्चा, कहा- शुभेंदु के नेतृत्व में खिलेगा विकास का नया सूरज

राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन को कलाकृति भेंट करते सीएम डॉ. यादव।

केंद्रीय मंत्री प्रधान को पुष्पगुच्छ भेंट करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल बढ़ेगा आगे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज ही बंगाल में विधायक दल ने नए नेता का चयन किया है। हमारा सौभाग्य है कि आजादी के 75 वर्ष में पश्चिम बंगाल में कमल खिला है और बंगाल में शुभेंदु अधिकारी विधायक दल के नेता चुन लिए गए हैं। शुभेंदु शनिवार को शपथ ग्रहण करेंगे। विधायक दल के पर्यवेक्षक के नाते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं वहां उपस्थित हैं। बंगाल की जीत के बाद देशभर में प्रसन्नता का माहौल है। अब बंगाल में विकास का सूरज निकलेगा। उन्होंने कहा कि शुभेंदु के नेतृत्व में देश के बाकी राज्यों के साथ-साथ बंगाल भी कदम से कदम मिलाकर विकास करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा। बंगाल देश के साथ विकास करने के लिए सदैव तत्पर रहा है, कांग्रेस-कम्युनिस्ट और टीएमसी ने बंगाल को बहुत पीछे धकेला है। लेकिन, अब इतिहास को पीछे छोड़ बंगाल आगे बढ़ेगा। मैं शुभेंदु अधिकारी और सारे मित्रों को बधाई देता हूं।

पूरे देश के लिए मॉडल बनेंगे मध्य प्रदेश सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम अगर शिक्षा नीति-2020 की बात करें, तो यह सबसे पहले मप्र में लागू हुई। हमारे सांदीपनि विद्यालय पूरे देश के लिए मॉडल बनेंगे। हमने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निमंत्रण दिया कि वे दो दिन यहां दौरा करें। हमारे सांदीपनि विद्यालय देखें। हम चाहते हैं कि उच्च शिक्षा-तकनीकी शिक्षा सहित विषयों को लेकर मप्र सरकार भारत सरकार के साथ मिलकर काम करे। डॉ. यादव ने बताया कि शिक्षा मंत्री ने उन्होंने आश्वस्त किया कि जून के फर्स्ट या सेकंड सप्ताह में वे आएंगे। हम भारत सरकार के साथ उस दिशा में काम करना चाह रहे हैं, जिसमें शिक्षा को लेकर नए प्रयोग हों, युवाओं को गुणवत्ता और रोजगारपरक शिक्षा मिले, युवाओं को आज के समसामयिक विषयों में दक्ष करें।

मध्य प्रदेश में फिर होगी प्रशासनिक सर्जरी

डेढ़ साल से ज्यादा कार्यकाल वाले सीईओ और अफसर बदलेंगे

कुछ विभागों में मंत्रियों, अफसरों में समन्वय की कमी भी बदलाव का कारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश में 26 आईएएस और 62 आईपीएस अधिकारियों के तबादलों के बाद अब एक और बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी चल रही है। इस फेरबदल में जिला पंचायतों के सीईओ, नगर निगम आयुक्तों समेत सचिव और अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों के विभागों में बदलाव होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार डेढ़ से दो साल का कार्यकाल पूरा कर चुके अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं।

सरकार मंत्रालय स्तर पर भी बड़े बदलाव की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि प्रमुख सचिव (पीएस) और अपर मुख्य सचिव (एसीएस) स्तर के अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया जाएगा। कुछ विभागों में मंत्रियों और अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी को भी बदलाव का कारण माना जा रहा है। प्रदेश में 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पहली सूची में राहुल नामदेव, योगेश तुकाराम और सौरभ संजय सोनवणे को मौका मिला है। वहीं बैच के वरिष्ठ अधिकारी अभिलाष मिश्रा भी कलेक्टर पद की दौड़ में माने जा रहे हैं। अंकिता धाकरे और डॉ. परीक्षित झाड़े भी प्रतीक्षा सूची में बताए जा रहे हैं।

मंत्रालय में विभागीय फेरबदल संभव

एसीएस अनुपम राजन, रश्मि अरुण शमी, दीपाली रस्तोगी और संजय दुबे के विभागों में भी बदलाव की चर्चा है। इसके अलावा प्रमुख सचिव स्तर पर अमित राठौर (वाणिज्यिक कर), राघवेंद्र सिंह (उद्योग), गुलशन बामरा (जनजातीय कार्य), ई. रमेश कुमार (सामाजिक न्याय) और विवेक पोरवाल (राजस्व) के विभागों में भी फेरबदल संभव माना जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ भी बदलेंगे

2017 बैच के अधिकारियों को कलेक्टर बनाए जाने के बाद जिला पंचायतों में पदस्थ कई सीईओ बदले जा सकते हैं। इनमें ऐसे अधिकारी शामिल हैं, जिन्होंने डेढ़ से दो वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया है। संभावित नामों में गजेंद्र सिंह नागेश (नरसिंहपुर), सिद्धार्थ जैन (इंदौर), अभिषेक चौधरी (धार), नवीत कुमार धुर्वे (टीकमगढ़), अक्षत जैन (बैतूल), काजल जावला (बड़वानी), नागार्जुन गोड़ा (खंडवा), अभिषेक सराफ (बालाघाट) और विवेक केवी (सागर) शामिल बताए जा रहे हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को दबोचा

18 किलो गांजे के साथ ओड़िशा के 3 तस्कर छग स्टेशन के बाहर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय में रेलवे स्टेशन के बाहर 18 किलो गांजा के साथ रायगढ़ पुलिस ने ओडिशा के 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गांजा को मध्यप्रदेश ले जाकर बेचने की योजना थी, उससे पहले ही वे लोग पुलिस गिरफ्त में आ गए।

रायगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 08 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के सामने पार्किंग क्षेत्र में शिव मंदिर के पास तीन संदिग्ध व्यक्ति बैग लेकर बैठे हैं जिसके पास मादक पदार्थ गांजा है और वे कहीं जाने की लिये वाहन का इंतजार कर रहे हैं। इस सूचना के बाद कोतवाली पुलिस, साइबर थाना के अलावा रेलवे पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल मौके

पर पहुंची और घेराबंदी करते हुए तीनों संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम सिद्धांत गोन्डा उम्र 28 वर्ष निवासी डिमरीकाल थाना खजुरीपाड़ा जिला कंधमाल (ओडिशा), कश्यप साहनी उम्र 45 वर्ष, निवासी घोड़ापथरा थाना खजुरीपाड़ा जिला कंधमाल (ओडिशा) तथा श्रीमती चंद्रिका साहनी पति कश्यप साहनी उम्र 40 वर्ष निवासी घोड़ापथरा थाना खजुरीपाड़ा जिला कंधमाल (ओडिशा) बताया।

जब्त माल की कीमत करीब 1 लाख 76 हजार

बैग की तलाशी लेने पर पुलिस ने एक बैग से 6.382 किलोग्राम, ट्रॉली बैग से 8.084 किलोग्राम तथा अन्य बैग से 3.304 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जब्त गांजे की कीमत करीब 1 लाख 76 हजार रुपये बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पड़ोसी राज्य ओडिशा के कंधमाल जिले से गांजा खरीदकर मध्यप्रदेश के खुरई में बिक्री करने के लिये ट्रेन से रायगढ़ पहुंचे थे और आगे जाने के लिए वाहन की तलाश कर रहे थे। इसी बीच वे पुलिस गिरफ्त में आ गए।

युवक ने पंचायत भवन में लगाई आग, गिरफ्तार

जगदलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के बोरपदर में एक युवक ने पंचायत भवन और अपने ट्रैक्टर में आग लगा दी। यह घटना पंचायत से काम का भुगतान न मिलने के कारण गुस्से में आकर की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि बोरपदर निवासी अजय गोयल (36 वर्ष) ने कुछ महीने पहले पंचायत की ओर से निकले काम को पूरा किया था। काम पूरा करने के लिए उसने एक ट्रैक्टर भी खरीदा था। बीती रात वह डीजल लेकर पंचायत भवन पहुंचा। उसने भवन के अंदर डीजल डालकर आग लगा दी। इस घटना में भवन के अंदर रखी कुर्सियां और दीवार पर लगे कुछ फोटो जल गए। ग्रामीणों ने आग देखकर पुलिस को सूचना दी।

पसान थाना अंतर्गत लैंगा-जटगा मुख्य मार्ग की घटना

तेज रफ्तार ट्राला पलटने से बुजुर्ग महिला की मौत, तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पसान थाना अंतर्गत लैंगा-जटगा मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक बड़ा हादसा हुआ। तेज रफ्तार कोयले से भरे ट्रेलर के अनियंत्रित होकर पलटने से यह दुर्घटना हुई। इस हादसे में बाइक सवार एक बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

मृतिका की पहचान 62 वर्षीय बालकुंवर के रूप में हुई है, जो पसान के धनरास गांव की निवासी थीं। वह अपने दो पोतों के साथ बाइक से इलाज कराकर घर लौट रही थीं। तभी लैंगा-जटगा मुख्य मार्ग की घाटी में पीछे से आ रहा कोयले से लदा तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित हो गया। ट्रेलर सीधे बाइक सवारों पर पलट गया। हादसे में तीनों लोग कोयले के ढेर में दब गए। राहगीरों ने तत्काल मदद कर कोयले में दबे एक युवक को बाहर निकाला। बालकुंवर की कोयले में दबने से मौके पर ही मृत्यु हो गई। उनके दोनों पोतों को मामूली चोटें आई हैं।

बाइक पर पलटा वाहन, पोतों को मामूली चोट

सड़क पर बिखरे कोयले को अन्य वाहन से हटाया

घटना की सूचना मिलते ही पसान थाना प्रभारी चंद्रपाल खांडे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव परीक्षण के लिए भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद सड़क पर बिखरे कोयले को दूसरे वाहन की मदद से हटाकर यातायात बहाल किया गया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। मृतका के परिजन घटना स्थल पर पहुंचे, दादी की मृत्यु की खबर सुनकर उनका बुरा हाल था। गांव में भी मातम पसर गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लैंगा-जटगा मार्ग की घाटी में अक्सर तेज रफ्तार भारी वाहन हादसों का कारण बनते हैं। कोयला परिवहन में लगे ट्रेलर बेलगाम गति से चलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण और सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है।

कार्रवाई...हाईवे पर ट्रैफिक जाम लगाने के आरोप में पुलिस का कांग्रेस नेताओं पर एक्शन

नेता प्रतिपक्ष सिंघार, बच्चन और सचिन समेत कई कांग्रेस नेताओं पर केस हुआ दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को प्रदेशभर में कांग्रेस द्वारा किए गए चक्काजाम आंदोलन के बाद कई जिलों में पुलिस ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की। मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे सहित कई प्रमुख मार्गों पर प्रदर्शन और यातायात बाधित करने के मामलों में पुलिस ने केस दर्ज किए हैं, वहीं कुछ जिलों में नेताओं को हिरासत में भी लिया गया। प्रदेश कांग्रेस द्वारा किसानों को समर्थन मूल्य, फसलों के उचित दाम और कथित किसान विरोधी नीतियों के विरोध में यह आंदोलन किया गया था। आंदोलन के दौरान एनएच-3 सहित करीब 747 किलोमीटर क्षेत्र में प्रदर्शन हुए, जिनमें किसान, कांग्रेस कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी शामिल रहे।

धार जिले के खलघाट में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मंत्री बाला बच्चन और सचिन यादव समेत कई नेताओं ने हाईवे पर प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस ने जाम लगाने के आरोप में प्रकरण दर्ज किया। वहीं गुना, शिवपुरी और ग्वालियर जिलों में भी चक्काजाम

उमंग सिंघार

बाला बच्चन

करने वाले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर दमनात्मक रवैये का आरोप लगाया है। आंदोलन के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को पंचायत स्तर तक ले जाया जाएगा और मुख्यमंत्री निवास घेराव जैसे कदम भी उठाए जाएंगे।

छतरपुर में केन-बेतवा विस्थापितों के समर्थन में गरजे विक्रांत

बोले- 50 क्या, 1000 लोगों पर एफआईआर हो जाए, फिर भी किसानों की लड़ाई जारी रहेगी

छतरपुर में आदिवासी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन किया। यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लोकेंद्र वर्मा और एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष राजवर्धन मिश्रा के नेतृत्व में शहर में भव्य बाइक रैली निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान विक्रांत भूरिया ने केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित किसानों और विस्थापित परिवारों के समर्थन में प्रशासन और सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसानों के हक की लड़ाई किसी भी कीमत पर बंद नहीं होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर 50 लोगों पर एफआईआर हुई है तो क्या, 1000 लोगों पर भी एफआईआर हो जाए तो हम पीछे हटने वाले नहीं हैं।

विक्रांत भूरिया

आदिवासी परिवारों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही

भूरिया ने आरोप लगाया कि केन-बेतवा परियोजना के नाम पर किसानों और आदिवासी परिवारों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि विस्थापितों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। वहीं कार्यक्रम से पहले सामाजिक कार्यकर्ता और कांग्रेस नेता अमित भटनागर को पुलिस द्वारा नजरबंद किए जाने पर भी नेताओं ने नाराजगी जताई। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आंदोलन करने वालों को डराने और रोकने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

देश के पांच राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पशिचम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। इन चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। जाहिर तौर पर विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। स्पष्ट रूप से कहें तो भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

विस चुनाव : ध्रुवीकरण बना अहम फैक्टर

विश्लेषण

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है। केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पशिचम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।

हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। वर्तमान चुनाव परिणामों का पहला स्पष्ट संदेश तो यह है कि भारतीय राजनीति में 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का प्रभाव कम हो गया है। अब 'एम' पर 'एच' हावी हो रहा है। कम से कम पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव परिणाम तो इसकी ओर सीधा इशारा कर रहे हैं। इन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे बताते हैं कि हिंदू वोटों के एकीकरण ने 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के प्रभाव को तेजी से बेअसर किया है।

हिन्दू वोटों में एकजुटता

बीजेपी विरोधी पार्टियों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और डीएमके की हिंदू-विरोधी नीतियों और बयानों ने इस भावना का तेजी से प्रचार-प्रसार किया है। पहले हिंदू मतदाता बंटे हुए थे, लेकिन समय के साथ वे बीजेपी के पीछे एकजुट हो गए। इस एकजुटता ने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में बीजेपी की जीत में योगदान दिया है, जहां कभी 'एम-वाई' फैक्टर निर्णायक भूमिका निभाता था। असम में बीजेपी की हैट्रिक जीत ने हिंदू एकीकरण को और मजबूत किया है।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने लगातार अपना जनाधार बढ़ाया है, जिससे वामपंथी और कांग्रेस हाशिए पर चले गए हैं। लंबे समय से पश्चिम बंगाल की राजनीतिक प्रवृत्ति, गैर-बीजेपी दलों के बीच मुस्लिम समुदाय के प्रति झुकाव की रही है। इसमें 35 वर्षों का वामपंथी शासन और फिर पिछले 15 वर्षों में सत्तारूढ़ रही ममता बनर्जी की टीएमसी का है। असम और पश्चिम बंगाल के चुनावी परिणाम स्पष्ट तौर पर बताते हैं कि हिंदू विरोधी नीतियां राजनीतिक रूप से अब उलटी पड़ सकती हैं।

टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस

तमिलनाडु में भी जिस डीएमके ने हिंदू-विरोधी रुख अपनाया, उसको जनता ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। 2026 के चुनावों के दौरान एक्टर विजय की नवगठित पार्टी टीवीके ने इस तरह की छवि से परहेज किया और नतीजे बताते हैं कि उनकी पार्टी को हिंदुओं के सभी वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। सुपरस्टार विजय के नेतृत्व वाली टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस पारंपरिक पार्टियों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। तमिलनाडु के नतीजों का स्पष्ट संदेश है कि अगर स्थापित पार्टियां अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पातीं तो मतदाता बिना किसी राजनीतिक बोझ के नए दलों का समर्थन करने में कोई झिझक नहीं करेगा। एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन का सत्ता विरोधी लहर का फायदा न उठा पाना और एक नई राजनीतिक ताकत के हाथों अपनी पकड़ खोना, गंभीर आत्मनिरीक्षण का विषय है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन और तमिलनाडु में एमके स्टालिन जैसे नेताओं की चुनावी हार के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि अब दिग्गजों के युग का अंत हो गया है और जनता राजनीतिक प्रभुत्व को नहीं मानती।

वंशवादी राजनीति की धारणा

बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी या उदयनिधि स्टालिन जैसे नेताओं का अगर उदय होता भी है तो ये दोनों वंशवादी राजनीति की धारणा को ही और मजबूत करेंगे। ऐसी स्थिति में राज्यों में राजनीतिक स्थिरता को दीर्घकालिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। बीजेपी में हिमंता बिस्वा सरमा और शुभेंदु अधिकारी जैसे नेताओं का बढ़ता कद विपक्ष के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। सरमा पूर्व कांग्रेस नेता हैं और शुभेंदु अधिकारी पूर्व टीएमसी नेता। इन दोनों नेताओं ने अपने-अपने राज्यों में हिंदुत्व के प्रतीक के रूप में अपनी छवि बदली। इस नीति का अनुसरण कई अन्य विपक्षी नेता भी कर सकते हैं जो वंशवादी राजनीति और अपनी पार्टियों के हिंदू विरोधी रुख के बोझ तले दबे हुए हैं। जाहिर तौर पर इससे विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।

पार्टियों में अंदरूनी तनाव उजागर

केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। 2027 में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव हैं। 2028 में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, त्रिपुरा,मेघालय और मिजोरम में नई सरकार चुनी जाएगी। 2029 में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

आगे क्या

2027 : में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव होंगे।

2028 : में पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम में चुनाव होंगे।

2029 : में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

माताओं की हिस्सेदारी को मिले मान-सम्मान

मदर्स डे

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ स्तंभकार

माताओं के हिस्से स्नेह ही नहीं, संघर्ष भी आता है। इस भूमिका को जीते हुए अधिकतर स्त्रियां भावनात्मक धरातल पर उलझनों का सामना करती हैं। तकनीक और बदलती जीवनशैली ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सतही स्तर पर देखें तो आज के दौर की मां का जीवन और जद्दोजहद आसान होती प्रतीत होती हैं, पर वास्तविक परिप्रेक्ष्य में उनकी उलझनें बढ़ी हैं। कामकाजी माताओं का बढ़ते आंकड़े और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने परवरिश के मोर्चे पर उनकी आपाधापी में इजाफा ही किया है। वस्तुतः, मिलेनियल मांओं की उलझनें सबसे अधिक हैं। ज्ञात हो कि 1981–1996 के बीच जन्मी महिलाओं की यह पीढ़ी मातृत्व के मोर्चे पर आधुनिक तकनीक को साधने के साथ ही परंपरागत जीवन की डोर भी थामे हुए हैं। डिजिटल युग की पहली अभिभावक पीढ़ी का हिस्सा कही जाने वाली ये माताएं तकनीकी कौशल, परिवेश के प्रति सजग और बच्चों के पालन-पोषण के मोर्चे पर जागरूक दृष्टिकोण अपनाती हैं। माताओं की इस पीढ़ी के लिए बच्चों का शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य भी अहम है।

डिजिटल पीढ़ी की ये माताएं बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने को भी प्राथमिकता देती हैं। चिंतनीय यह है कि गहरी भावनात्मक समझ रखने वाली मिलेनियल माताएं स्वयं थकान और उलझनों से जूझ रही हैं। टॉकर रिसर्च द्वारा 'इट्स ए फैमिली थिंग' के साथ मिलकर 2 हजार अमेरिकी महिलाओं पर किए गए सर्वे में सामने आया कि इसमें से लगभग आधी मिलेनियल माताएँ स्वयं को मानसिक रूप से टूटा-थका हुआ और असंतुष्ट पाती हैं। वहीं 19 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें असंतोष और नाराजगी महसूस होती है। 40 फीसदी माताओं ने कहा कि अच्छे से घर और दूसरे दायित्व संभालने पर भी उन्हें श्रेय नहीं मिलता। घर-परिवार में मांओं की भागदौड़ और भागीदारी को न समझने की स्थितियां दुनिया के हर समाज में एक सी हैं। यही वजह है कि इस अध्ययन के परिणाम गौर करने योग्य हैं। कहना गलत नहीं होगा कि एक साथ कई भूमिकाएं निभा रहीं माताओं की इस पीढ़ी के जिम्मेदारियों का बोझ कई मोर्चों पर थका रहा है। शिक्षित सजग कामकाजी माताएं हों या तकनीक-सामाजिक माहौल को पहले से बेहतर समझने-अपनाने वाली गृहिणियां, परवरिश के हर पहलू पर खरा उतरने को प्रयासरत हैं। ऐसे में जरूरी है कि समाज और परिवार में उनकी इस महती भूमिका को मान मिलना चाहिए। माताओं के स्वास्थ्य चिंताओं और मातृत्व से जुड़ी जद्दोजहद को समझना चाहिए। नई पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की परिवार ही नहीं समाज निर्माण में रेखांकित करने योग्य भूमिका है। ध्यातव्य है कि वर्ष 2026 के लिए मातृ दिवस थीम 'राष्ट्र के मूक वास्तुकार' है। यह विषय सही मायने में माताओं के माताओं देश की भावी पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की विशेष भूमिका की ओर ध्यान खींचता है। उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखने और मौन ताकत को समझने पर केंद्रित है। ऐसे में माताओं की शक्ति, प्रेम और बलिदान का उत्सव मनाने वाल यह दिन पीढ़ियों को आकार देने वाले स्नेहमयी नेतृत्व की संघर्षशील भूमिका को समझने का संदेश भी लिए है। भारत के सामाजिक-पारिवारिक ढांचे में मातृत्व की जिम्मेदारी के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ीं कई परेशानियां उनके हिस्से आती हैं। प्रसवोत्तर अवसाद से लेकर शारीरिक व्याधियां तक घेर लेती हैं।

तकलीफदेह है कि गांवों से लेकर महानगरों तक मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से उपजी भावनात्मक टूटन के दौर में भी अपनों का सहयोग नहीं मिलता। सहयोग सामंजस्य की कमी भी एक वजह है कि सिंगल चाइल्ड वाले परिवार बढ़ रहे हैं। औद्योगिक संगठन एसोचैम की सामाजिक विकास शाखा के सर्वे के मुताबिक 35 फीसदी कामकाजी माएं दूसरा बच्चा नहीं चाहतीं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार हमारे देश में करीब 72 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद नौकरी दे दूरी बना लेती हैं। कार्यरत महिलाओं की बड़ी संख्या का आयुवर्ग परिवार बनाने वाला ही होता है। असल में देखा जाए तो मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने वाली महिलाएं भी देश की श्रमशक्ति का अहम हिस्सा हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी यह भागीदारी बहुत मायने रखती है। कुछ समय पहले हुए अध्ययन के अनुसार मां का काम किसी नौकरी में करने वाले काम के मुकाबले ढाई गुना ज्यादा होता है। यह अध्ययन कहता है कि एक मां बच्चे की देखभाल में 98 घंटे प्रति सप्ताह काम करती है। हर दिन घंटों मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से भावनात्मक टूटन और थका देने वाली दिनचर्या में अपनों का सहयोग बेहद आवश्यक है। भावी नागरिकों का भविष्य बनाते हुए देश को गढ़ने वाली माताओं के प्रति सराहना भरा भाव और अपनों का संबल जरूरी है। राष्ट्र के मूक वास्तुकारों के रूप में उनकी भागीदारी बहुत गंभीरता से समझी जानी चाहिए।

बंगाल में संगठनात्मक स्थिरता बनेगी भाजपा के लिए चुनौती

चिंतन

विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

हाल में संपन्न पांच राज्यों के चुनावों में जिन तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, उनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण पश्चिम बंगाल रहा। सत्ता प्राप्त कर एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी को उसका बहु प्रतीक्षित परिणाम मिला, वही दूसरी ओर यह भी तथ्य है कि बंगाल में शासन का रास्ता फिलहाल इतना आसान रहने वाला प्रतीत नहीं होता। बंगाल में कठिन सिर्फ शासन चलाने का नहीं वरन आमूलचूल परिवर्तन का भी है। भारतीय जनता पार्टी के लिए शासन से पहले सबसे पहली चुनौती होगी संगठनात्मक स्थिरता की। हालांकि बीते दस वर्षों में पार्टी ने जमीनी स्तर पर निश्चित ही अपना विस्तार किया है, जिसका परिणाम इस चुनाव में भारी बहुमत के रूप में दिखा है। इस विस्तार के इस पक्ष को भी नकारा नहीं जा सकता है कि इसमें अन्य दलों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस से आए नेताओं की बड़ी भूमिका है। आजादी के बाद से सत्ता चाहे कांग्रेस की रही हो, वामपंथ की या तृणमूल की बंगाल में हमेशा कैडर आधारित राजनीति रही है। ऐसे में भविष्य के लिए यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ चुनावी सक्रियता से आगे बढ़कर अपने शासनकाल में अपना एक मजबूत कैडर तैयार कर पाएगी। बंगाल में अल्संख्यक वोट को साधने के लिए समीकरण बनाना भारतीय जनता पार्टी के लिए दूसरी सबसे बड़ी चुनौती होने वाली है। चूंकि अभी तक अधिकतर अल्पसंख्यक वोट बैंक विपक्षी पार्टियों के साथ रहा है और आने वाले चुनावों में इसकी निर्णायक भूमिका हो सकती तो भाजपा को यह समझते हुए कि इसे नजरअंदाज करके नहीं चला जा सकता, उस दिशा में रणनीति बनानी होगी। भारतीय जनता पार्टी को यदि व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त करनी है तो उसे अपने राजनीतिक संदेश को केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रखने के बजाय विकास, रोजगार, शिक्षा और स्थानीय समस्याओं के समाधान से जोड़ना होगा। बंगाल में बेरोजगारी, उद्योगों की कमी, पलायन और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में रहते हैं। ये सारी समस्या जमीनी है जिन्हें वास्तविक समाधान की आवश्यकता है। भविष्य में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। वैचारिक संघर्ष चुनावों के समय तो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण एवं कारगर सिद्ध होता है लेकिन लंबे समय तक सिर्फ इसपर निर्भर नहीं रहा जा सकता।

चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भाजपा को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है।

एक समय के बाद जनसरोकार केंद्रित राजनीति न होने से किसी भी पार्टी की चाहे कितनी भी मजबूत वैचारिक जड़ें हों, उसे सत्ता से बाहर का रास्ता देखना पड़ता है। बंगाल में इसका जीता-जागता उदाहरण कांग्रेस के बाद वामपंथ उसके बाद तृणमूल और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के रूप में दिखाई देता है। एक अन्य महत्वपूर्ण काम जो भारतीय जनता पार्टी को करना पड़ेगा, वह है पार्टी का एक चेहरा स्थापित करना। राजनीतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक बार सत्ता में किसी भी नेता को बिठाना पड़ता है, लेकिन जनता में अपने विश्वास को गहरा करने के लिए एक कोर नेता की जरूरत होती ही है। भले मौजूदा समय में शुभेंदु अधिकारी बंगाल में पार्टी के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हों, लेकिन वह भी पार्टी के कोर कार्यकर्ता नहीं हैं और अभी कुछ ही वर्ष पहले तृणमूल से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। इन समस्याओं के अलावा जिन मुद्दों और वादों पर इस बार चुनाव लड़ा गया था, उनको पूरा करने की ओर प्रयास करना भी अत्यंत आवश्यक होगा। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार सीमा सुरक्षा और घुसपैठ को एक बड़ा मुद्दा बनाया था और साथ में यह भी आरोप लगाया था कि तत्कालीन सरकार केंद्र सरकार के साथ बांग्लादेश के साथ लगी सीमा पर बाड़ेबंदी को लेकर सहयोग नहीं कर रही। इस वजह से बंगाल में लगातार अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का आना हो रहा है। इस मुद्दे ने इस बार के चुनावों में जनता को जबरदस्त तरीके से प्रभावित भी किया। अब जनता को इस बात की प्रतीक्षा रहेगी कि सत्ता परिवर्तन के बाद इन दोनों बिंदुओं पर सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं। कुल मिलाकर चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भारतीय जनता पार्टी को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है।

असम : वैचारिक मुकाबले ने बदला राजनीतिक परिदृश्य

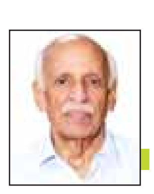

स्थिति

डॉ. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ साहित्यकार

असम में चुनाव परिणाम, चौंकाने वाले नहीं हैं, लेकिन उनका विश्लेषण चौंकाने वाला है। इस नए नजरिए का सबसे बड़ा कारण अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) का पतन है। इस बार चुनावों से राज्य में एक स्पष्ट राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है।

कांग्रेस ने अधिकतर मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने हिंदू वोटों के एकजुट समूह, जिनमें आदिवासी और चाय बागान मजदूर शामिल हैं, उन सभी सीटों पर जीत दर्ज की है। इस प्रवृत्ति के पीछे सबसे बड़ा कारण ऑल-इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) का पतन था, वह पार्टी जिसने असम में बंगाली भाषी मुसलमानों को राजनीतिक स्थान दिया, जिन्हें अक्सर 'मिया' कहा जाता है और जो असम की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हैं। कई वर्षों तक, अल्पसंख्यक वोट, विशेषकर निचले असम और बराक घाटी में, कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच बंटे रहे। इस विभाजन ने अक्सर भाजपा को कई सीटों पर और यहां तक कि सहयोगी एजीपी को भी फायदा पहुंचाया। इस बार इस चुनाव में मुस्लिम समुदायों के बीच रणनीतिक मतदान भी काफी देखने को मिला।

कई मतदाताओं का मानना था कि केवल कांग्रेस ही भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है, जिसके कारण उन सीटों पर भी एकजुटता देखने को मिली, जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों को विशेष रूप से मजबूत नहीं माना जाता था। इसी बीच, हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और क्षेत्र की सीमाओं से परे हिंदू वोटों को एकजुट करने में कामयाबी हासिल की। ऊपरी असम, उत्तरी तट और मध्य असम के कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची। एक अन्य प्रमुख कारक दरांग और नागांव जैसे जिलों में चलाए गए बेदखली अभियानों का प्रभाव था। असम में हार के बाद गौरव गोगोई ने पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं,

कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची।

मगर उन्हें पूरी स्थिति चुनावों से पूर्व ही समझ में आ जानी चाहिए थी। भाजपा के प्रभामंडल के और मोदी- अमित शाह लहर को जहां कई मुस्लिम मतदाताओं ने भय और असुरक्षा की भावना से देखा, वहीं बहुसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग, विशेष रूप से स्वदेशी असमिया भूमिपुत्रों ने इन्हें मजबूत प्रशासनिक कार्रवाई और भूमि संरक्षण उपायों के रूप में देखा। परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों में समानांतर एकीकरण हुआ। मुस्लिम, जिनमें ज्यादातर निचले असम के बंगाली भाषी मुस्लिम शामिल थे, कांग्रेस की ओर आकर्षित हुए और बहुसंख्यक समुदाय के मतदाता भाजपा के पीछे एकजुट हो गए।

एआईयूडीएफ के बारे में बनी धारणा ने भी अहम भूमिका निभाई। कई मतदाताओं का मानना था कि यह पार्टी भाजपा विरोधी वोटों को बांटकर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद कर रही है। राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा को दिए गए इसके समर्थन ने इस धारणा को और मज़बूत किया। परिणामस्वरूप कई अल्पसंख्यक मतदाताओं ने एआईयूडीएफ का साथ छोड़ दिया और कांग्रेस को समर्थन दिया। 2023 के परिसीमन अभ्यास ने असम के राजनीतिक समीकरणों को भी काफी हद तक बदल दिया। निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह से पुनर्निर्धारित किया गया कि मिश्रित आबादी वाली सीटों की संख्या कम हो गई और जनसांख्यिकीय रूप से अधिक ध्रुवीकृत निर्वाचन क्षेत्र बन गए। पहले कांग्रेस अल्पसंख्यकों के समर्थन और हिंदू वोटों के एक वर्ग के संयोजन से सीटें जीत लेती थी, लेकिन परिसीमन के बाद, कई सीटें या तो स्पष्ट रूप से बहुसंख्यक-बहुल या मुस्लिम-बहुल हो गईं।

पहले लगभग 35 सीटों पर मुसलमानों का दबदबा रहता था, लेकिन परिसीमन के बाद मुस्लिम वर्चस्व घटकर लगभग 22 सीटों तक ही सीमित रह गया। अंतिम परिणाम में असम की इस राजनीतिक वास्तविकता में आए बदलाव की झलक दिखी। वैसे भी इससे कांग्रेस मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में ही प्रतिस्पर्धी बनी रही, जबकि भाजपा ने राज्य के अधिकांश बहुसंख्यक-केंद्रित क्षेत्रों में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया इसलिए 2026 के फैसले ने असम की राजनीति में एक गहरे परिवर्तन को उजागर किया है। धीरे-धीरे समुदाय आधारित चुनावी एकीकरण को रास्ता दे रही है।

तमिलनाडु में नई राजनीतिक-संस्कृति का अभ्युदय

दृष्टिकोण

डॉ. विजेन्द्र कुमार
स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु में नए चुनाव परिणाम, सिर्फ सत्ता-परिवर्तन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक नई राजनीतिक-संस्कृति के अभ्युदय से जुड़े हैं। शुरुआती दौर में कांग्रेस के रंग में कुछ वर्ष बिताने के बाद द्रमुक व उससे उपजे कुछ अन्य छोटे-छोटे शिविरों के मध्य ही 58 वर्षों तक इस प्रदेश की राजनीति केंद्रित रही।

यह भी एक विलक्षण सत्य है कि इस प्रदेश में सत्ता के केन्द्र में द्रविड़, फिल्मी-संसार का लम्बी अवधि तक वर्चस्व रहा है। इस बार चुनावों से पहले यही माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री स्टालिन की द्रमुक को सत्ता से बेदखल करना उनके प्रतिपक्षियों के लिए आसान नहीं रहेगा, लेकिन डीएमके ने शासन के पांच साल पूरे करने के बाद अगले चुनाव में भी जीत हासिल की हो, ऐसा दो बार ही हुआ है। इसके अलावा डीएमके ने 2021 का विधानसभा चुनाव जीता था और 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले दो साल में ऐसा क्या हुआ? ज्यादा कुछ नहीं, सिवाय इसके कि एआईएडीएमके और कमज़ोर हो गई। यह विरोध मुख्यतः हिन्दी विरोध की मानसिकता से ही उपजा। यह भी एक विसंगति है कि दक्षिणी-भारत हिंदी प्रचार सभा व दैनिक राजस्थान पत्रिका सरीखे हिन्दी-मीडिया की व्यापक स्वीकार्यता के बावजूद हिन्दी विरोध मतदाताओं के समक्ष मुख्य मुद्दा बना रहा है। ऐसे में सामाजिक स्तर पर एक बदलाव की ओर उन्मुख होता है।

संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमज़ोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई। टीवीके के इस प्रदर्शन के पीछे विजय के वीएमआई फैन क्लब ने गत 15 वर्ष से जमीनी स्तर पर किया। वर्ष 2021 के स्थानीय निकाय चुनाव में भी वीएमआई का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। फिर भी लोगों ने टीवीके जैसी नई पार्टी को जनादेश तो दिया, लेकिन इतनी मज़बूती से नहीं कि वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में आ सके और यहीं पर उसकी परीक्षा होगी कि वो शासन को चलाने के साथ-साथ राजनीति करने में कैसे संतुलन बनाती है। ऐसी

संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमज़ोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई।

परिस्थितियों से निपटना किसी नई पार्टी के लिए आसान नहीं होता। इसमें कोई संदेह नहीं कि सत्ता के खेल का सामना करना और उसे खेलना बिल्कुल दूसरी बात है। 14वीं शताब्दी में मुस्लिम सल्तनत और बाद में विजयनगर साम्राज्य का शासन रहा। 18वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने मद्रास प्रेसीडेंसी की स्थापना की।

1916 में गैर-ब्राह्मण हितों की रक्षा के लिए जस्टिस पार्टी बनी। इसने 1921 में पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव जीता। स्वतंत्रता के बाद के दौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पहले 20 वर्षों तक कांग्रेस का एकछत्र राज रहा। ओ.पी. रामास्वामी रेड्डियार आजादी के बाद पहले मुख्यमंत्री बने। बाद में के. कामराज के नेतृत्व में राज्य ने औद्योगिक और शैक्षिक प्रगति की। द्रविड़ राजनीति का उदय (1967 से 2026 तक) 1967 में हिंदी विरोधी आंदोलनों के बाद द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया, जिसके बाद से राज्य में केवल द्रविड़ दलों का ही शासन रहा है।

द्रमुक का शासन : सी. एन. अन्नादुराई पहले द्रविड़ मुख्यमंत्री बने। उनके बाद एम. करुणानिधि ने कई बार सत्ता संभाली। ए.आई.डी.एम.के. का जन्म वर्ष 1972 में हुआ। एम. जी. रामचंद्रन ने अलग होकर अन्नाद्रमुक बनाई। अन्नाद्रमुक ने जे. जयललिता के नेतृत्व में राज्य पर लंबे समय तक शासन किया। दशकों तक सत्ता द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती रही। वर्ष 2021 में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में आई। टीवीके के सामने दो बड़ी बाधाएं हैं। पहली, छोटी पार्टियां- जैसे वीसीके (दो विधायक), सीपीएम (दो विधायक), सीपीआई (दो विधायक), एएमएमके (एक विधायक) और पीएमके (चार विधायक), अभी तक औपचारिक तौर पर अपना रुख साफ नहीं किया है और उनमें से कुछ को वैचारिक मतभेद भी सुलझाने हैं। पीएमके, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा रही है, जबकि वीसीके और दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हैं। वर्तमान स्थितियां, राजनीतिक स्थिरता की ओर कब लौटेंगी, इसके लिए अभी प्रतीक्षा करनी होगी।

टीवीके का उदय इस बात का साक्षी है कि तमिलनाडु की जनता एक बेहतर विकल्प के तलाश में है। भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

आईटीआर रिटर्न भरते समय बरतें सावधानी, छोटी गलती भी भारी

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना आज के डिजिटल दौर में पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर साल बड़ी संख्या में लोग खुद ही ऑनलाइन आईटीआर भरते हैं, फिर भी छोटी-छोटी गलतियों के कारण उनका रिटर्न अटक जाता है या उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल जाता है। कई बार लोग गलत फॉर्म चुन लेते हैं, तो कभी अपनी आय की पूरी जानकारी नहीं देते। वहीं, कुछ करदाता रिटर्न भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन करना ही भूल जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इसके अलावा पर्सनल डिटेल्स में त्रुटि, टैक्स रिजीम का गलत चयन या फॉर्म 26एएस और एआईएस से मिलान न करना भी भारी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करते समय हर स्टेप को समझदारी और सावधानी के साथ पूरा किया जाए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

सही फॉर्म का चयन पहली शर्त

- आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में सबसे अहम कदम है सही फॉर्म का चुनाव।
- आईटीआर-1 उन व्यक्तियों के लिए है जिनकी आय सैलरी, एक मकान और अन्य स्रोतों से होती है।
- आईटीआर-2 उन लोगों के लिए है जिनकी बिजनेस इनकम नहीं है, लेकिन अन्य स्रोतों से आय है।
- आईटीआर-3 बिजनेस या प्रोफेशन से जुड़े लोगों के लिए होता है।
- आईटीआर-4 अनुमानित आय वालों के लिए है।
- गलत फॉर्म चुनने से आपका रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है या प्रोसेस में देरी हो सकती है।

ई-वेरिफिकेशन भूलना पड़ सकता है भारी

आईटीआर फाइल करने के बाद सबसे बड़ी गलती जो लोग करते हैं, वह है उसे वेरिफाई न करना। अगर आपने 30 दिनों के भीतर अपने रिटर्न को ई-वेरिफाई नहीं किया, तो इसे मान्य नहीं माना जाएगा। आप नेट बैंकिंग, आधार ओटीपी या ईवीसी के जरिए आसानी से वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

पर्सनल डिटेल्स में गलती रोक सकती है रिफंड

- नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि या असेसमेंट ईयर जैसी जानकारी में छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को रोक सकती है।
- इसलिए फॉर्म भरते समय हर जानकारी को दोबारा जांचना बेहद जरूरी है।
- साथ ही टैक्स रिजीम (पुरानी या नई) का गलत चयन भी आपकी टैक्स देनदारी को प्रभावित कर सकता है।
- पूरी आय का खुलासा करना जरूरी
- -कई करदाता सिर्फ सैलरी इनकम ही दिखाते हैं और अन्य स्रोतों को नजरअंदाज कर देते हैं।

आईटीआर में हर तरह की आय दिखाएं

- बैंक ब्याज ■ किराया ■ कैपिटल गेन ■ अन्य आय
- यहां तक कि टैक्स फ्री आय को भी दिखाना चाहिए, ताकि आप सही तरीके से छूट का दावा कर सकें।

26एएस और एआईएस से जरूर करें मिलान

- आईटीआर भरते समय फॉर्म 26एएस और एनुएल इंफोर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) का मिलान जरूरी है।
- इनमें आपके टीडीएस, टीसीएस और एडवांस टैक्स की पूरी जानकारी होती है।
- अगर जानकारी और इन रिकॉर्ड्स में अंतर पाया गया, तो रिफंड अटक सकता है या नोटिस मिल सकता है
- अगर आपने एक वित्त वर्ष में एक से अधिक कंपनियों में काम किया है, तो हर कंपनी से फॉर्म 16 लेना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपकी कुल आय गलत दिख सकती है और टैक्स कैलकुलेशन भी प्रभावित हो सकता है।

एडवांस टैक्स समय पर भरें

- एडवांस टैक्स न भरना या देर से भरना भी एक आम गलती है। ■ इसे चार किस्तों में भरना होता है।
- 15 जून ■ 15 सितंबर ■ 15 दिसंबर ■ 15 मार्च
- समय पर भुगतान नहीं तो 1% तक की पेनल्टी।

सावधानी ही बचाव

आईटीआर फाइलिंग एक जरूरी वित्तीय जिम्मेदारी है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियां न सिर्फ आपके रिफंड को रोक सकती हैं, बल्कि आपको टैक्स नोटिस का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सही फॉर्म का चयन, सभी आय का खुलासा, दस्तावेजों का मिलान और समय पर वेरिफिकेशन ये सभी कदम बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप थोड़ी सावधानी और समझदारी से आईटीआर फाइल करते हैं, तो न सिर्फ प्रक्रिया आसान हो जाएगी, बल्कि आप किसी भी तरह की परेशानी से भी बच सकेंगे।

बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

- एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा 'मुनाफे की मशीन'
- 70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्रोथ का संतुलन बनाएगा
- मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को "मुनाफे की मशीन" में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल 'टाइमिंग' नहीं, बल्कि 'टाइम इन मार्केट' है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए '70:30' का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें 'कोर होल्डिंग्स' कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा 'टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट' के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।

गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी 'इकोनॉमिक मोट' को समझना बेहद जरूरी है। 'इकोनॉमिक मोट' का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है।यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या 'हॉट टिप्स' के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है "सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।" यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फाइनेंशियल, कंजम्पशन, मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

भावनाओं पर नियंत्रण सफल निवेशक की असली पहचान

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान या जानकारी से नहीं मिलती, बल्कि आपके व्यवहार और मानसिकता पर भी निर्भर करती है। बाजार में गिरावट के समय घबराहट और तेजी के समय लालच ये दोनों भावनाएं निवेशकों को गलत फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। एक सफल निवेशक वही होता है जो इन भावनाओं पर नियंत्रण रख सके। जब बाजार गिरता है, तो उसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए बशर्ते कंपनी के फंडामेंटल्स मजबूत हों। वहीं, तेजी के दौर में बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचना चाहिए। एक तरह से निवेश में 'इमोशनल फायरवॉल' बनाना जरूरी है, जो आपको बाजार के शोर से दूर रखे और आपके फैसलों को तार्किक बनाए रखे। अनुशासन और धैर्य ही लंबे समय में बड़ी संपत्ति बनाने का आधार होते हैं।

सादगी, अनुशासन व धैर्य ही असली मंत्र

2026 के बदलते आर्थिक माहौल में निवेश करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। अगर आप 70:30 का संतुलित फॉर्मूला अपनाते हैं, मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों को चुनते हैं, अपने निवेश को विविध बनाते हैं और भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं, तो बाजार की हर स्थिति में अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। याद रखें, शेयर बाजार में कोई शॉर्टकट नहीं होता। यहां सफलता उन्हीं को मिलती है जो धैर्य रखते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। अगर आप इन सिद्धांतों पर टिके रहते हैं, तो बाजार चाहे गिरे या चढ़े आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाएगी।

डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में 25% की छलांग मौका या जोखिम? ऐसे में क्या करें निवेशक

- एक माह की रैली ने निवेशकों के लिए बढ़ाया आकर्षण
- लेकिन एक्सपर्ट्स ने दे दी सावधानी बरतने की सलाह
- जियोपॉलिटिकल हालात व बढ़ते रक्षा खर्च ने दी रफ्तार
- चक्रीय प्रकृति वाला डिफेंस सेक्टर, उतार-चढ़ाव को रहें तैयार

पिछले एक महीने में डिफेंस सेक्टर से जुड़े म्यूचुअल फंड्स ने करीब 20% से 25% तक का शानदार रिटर्न दिया है। इतनी तेज बढ़त ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और कई लोग इस सेक्टर में निवेश के अवसर तलाशने लगे हैं। लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी के पीछे मजबूत फंडामेंटल्स से ज्यादा जियोपॉलिटिकल कारण और बाजार का मोमेंटम जिम्मेदार है। ऐसे में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को सिर्फ हालिया रिटर्न देखकर फैसले नहीं लेने चाहिए। बाजार में छोटी अवधि की तेजी अक्सर बाहरी घटनाओं से प्रभावित होती है, जबकि लंबी अवधि में किसी भी निवेश का प्रदर्शन उसकी कमाई, वैल्यूएशन और बिजनेस ग्रोथ पर निर्भर करता है।

जियोपॉलिटिकल तनाव बना तेजी का बड़ा कारण

डिफेंस सेक्टर में आई हालिया तेजी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं। जब दुनिया में अस्थिरता बढ़ती है, तो सरकारें रक्षा खर्च बढ़ाती हैं, जिससे इस सेक्टर की कंपनियों को अधिक ऑर्डर मिलने लगते हैं। इसका सीधा असर इन कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े म्यूचुअल फंड्स पर पड़ता है। हालांकि लंबे समय में डिफेंस सेक्टर की संभावनाएं मजबूत हैं जैसे कि भारत में स्वदेशीकरण को बढ़ावा, बढ़ता रक्षा बजट और मजबूत ऑर्डर बुक, लेकिन इस सेक्टर में प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में समय लगता है।

'मोमेंटम फेज' में है डिफेंस सेक्टर

फिलहाल डिफेंस सेक्टर एक 'मोमेंटम फेज' से गुजर रहा है। यानी बाजार में तेजी से पैसा आ रहा है और निवेशकों का झुकाव इस सेक्टर की ओर बढ़ गया है। एक ही महीने में 20-25% तक का रिटर्न इस बात का संकेत है कि कीमतें कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन से ज्यादा बाजार की भावना और निवेश के फ्लो से प्रभावित हैं।

एसआईपी बनाम लंपसम : कैसे करें निवेश?

हालिया तेजी के बाद डिफेंस सेक्टर के वैल्यूएशन ऊंचे हो चुके हैं। ऐसे में एकमुश्त (लंपसम) निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर विकल्प है। एसआईपी का फायदा यह है कि निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को औसत कर सकता है और जोखिम को कम कर सकता है।

डाइवर्सिफिकेशन ही सुरक्षित रास्ता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सीधे डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के बजाय डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है। जैसे फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स—ये विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करते हैं और जोखिम को संतुलित रखते हैं। इन फंड्स में डिफेंस सेक्टर का एक्सपोजर भी होता है, लेकिन यह सीमित होता है, जिससे निवेशक को इस सेक्टर की ग्रोथ का फायदा तो मिलता है, लेकिन जोखिम कम रहता है। डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी आकर्षक जरूर है, लेकिन यह स्थायी नहीं हो सकती। निवेशकों को केवल शॉर्ट टर्म रिटर्न देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए।

पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

- एफओआईआर का खेल : इनकम का कितना हिस्सा ईएमआई में जा रहा
- ईएमआई ज्यादा तो लोन मुश्किल, बैंक कैसे तय करते हैं आपकी क्षमता
- लोन का टाइप भी अहम : होम, पर्सनल या क्रेडिट कार्ड का फर्क

सावधानी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणित तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

ईएमआई घटाएं, लोन की राह बनाएं, छोटे बदलाव का बड़ा असर

एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्जेक्शन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में चूक कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

लोन का प्रकार भी करता है असर

- सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
- होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
- कार लोन: मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
- पर्सनल लोन: इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
- क्रेडिट कार्ड बकाया: इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।
- बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

क्या ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30–45 दिन का समय लग सकता है।

क्रेडिट स्कोर बनाम ईएमआई

लोन लेते समय क्रेडिट स्कोर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमतौर पर 750 या उससे अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है और इससे बैंक का भरोसा बढ़ता है। लेकिन सिर्फ अच्छा क्रेडिट स्कोर होना ही काफी नहीं है। अगर आपकी ईएमआई पहले से ज्यादा है और एफओआईआर उच्च स्तर पर है, तो लोन मिलने में परेशानी हो सकती है।

सरल शब्दों में ऐसे समझें

- क्रेडिट स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है
- एफओआईआर (ईएमआई का बोझ) तय करता है कि कितना लोन मिलेगा
- नया लोन लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें
- अपनी सभी ईएमआई की सही जानकारी बैंक को दें, कुछ भी छिपाने की कोशिश न करें।
- कोशिश करें कि आपकी कुल ईएमआई आपकी आय के 40% के आसपास ही रहे।
- छोटे और अनावश्यक लोन को पहले बंद करें।
- क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर चुकाएं।
- खर्च और कर्ज के बीच संतुलन बनाए रखें।
- सही बैलेंस से ही मिलेगा नया लोन

सही संतुलन बनाए रखें

अगर आपके ऊपर पहले से ईएमआई चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नया लोन नहीं मिल सकता। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी आय, खर्च और कर्ज के बीच सही संतुलन बनाए रखें। एफओआईआर को नियंत्रित रखना, क्रेडिट स्कोर अच्छा बनाए रखना और अनावश्यक कर्ज से बचना—ये तीन बातें आपको आसानी से नया लोन दिला सकती हैं। सही प्लानिंग के साथ आप न सिर्फ नया लोन ले सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय स्थिति को भी मजबूत बना सकते हैं।

रिस्क है, लेकिन सही प्लान के साथ यही बन सकता है सबसे बड़ा मौका

धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग से शुरू करें काम

जॉब छोड़ें व बन जाएं खुद के बॉस, कम निवेश में तगड़ी कमाई के रास्ते बदलते दौर में नौकरी नहीं, स्किल और सोच भी बन रही है असली ताकत

आईडिया

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई लोगों को सीमित लगता है। बढ़ती महंगाई, सीमित सैलरी ग्रोथ और काम का दबाव ये सभी कारण लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने की ओर प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और जोखिम भरा फैसला होता है, लेकिन सही योजना, स्किल और मार्केट की समझ के साथ यह कदम आपकी जिंदगी बदल सकता है। अगर आप भी अपने करियर में बदलाव चाहते हैं और खुद का काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर कुछ ऐसे बिजनेस आइडियाज हैं, जिन्हें कम निवेश में शुरू करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर काम आप अपनी मौजूदा स्किल्स के दम पर ही शुरू कर सकते हैं। इससे आप खुद के बॉस बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।

सही योजना बदल सकती है जिंदगी

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना आसान नहीं है, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है। इन 5 बिजनेस आइडियाज की खासियत यह है कि ये वर्तमान ट्रेंड्स पर आधारित हैं और इनमें ग्रोथ की जबरदस्त संभावनाएं हैं। अगर आप धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग के साथ काम करते हैं, तो शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन सफलता बड़ी जरूर होगी। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है। इसलिए किसी भी नए बिजनेस की शुरुआत से पहले अपने कौशल, अनुभव, बजट और बाजार की वास्तविक जरूरतों को समझना बेहद जरूरी है।

कंसल्टेंसी/फ्रीलांसिंग : अनुभव कमाई का जरिया

आज का समय 'स्किल इकॉनमी' का है, जहां आपकी योग्यता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अगर आपने किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया है जैसे आईटी, मार्केटिंग, एचआर या फाइनेंस तो आप आसानी से कंसल्टेंसी या फ्रीलांसिंग एजेंसी शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको बड़े ऑफिस या भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। एक लैपटॉप, अच्छा इंटरनेट और प्रोफेशनल नेटवर्क ही आपकी शुरुआत के लिए काफी हैं। शुरुआत में आप छोटे क्लाइंट्स के साथ काम करके धीरे-धीरे अपनी टीम बना सकते हैं। कंसल्टेंसी बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कमाई की कोई सीमा नहीं होती। शुरुआती स्तर पर ही 50 हजार से 1.5 लाख रुपये महीना कमाना संभव है।

क्लाउड किचन : खाने के बिजनेस में मौका

खाने-पीने का बिजनेस हमेशा से लाभदायक रहा है, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। आज लोग रेस्टोरेंट जाने के बजाय घर बैठे खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। क्लाउड किचन की खासियत यह है कि इसमें आपको रेस्टोरेंट की तरह महंगा सेटअप या बड़ी जगह की जरूरत नहीं होती। आप अपने घर से या छोटे किचन स्पेस से भी शुरुआत कर सकते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करके आप अपने प्रोडक्ट को बड़े बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इस बिजनेस में लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि मुनाफे की संभावना ज्यादा होती है। सही क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ आप पहले ही महीने से अच्छी कमाई शुरू कर सकते हैं।

ई-कॉमर्स/ड्रॉपशिपिंग : स्मार्ट तरीका

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स और ड्रॉपशिपिंग ऐसे मॉडल हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा निवेश के अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आपको प्रोडक्ट स्टॉक करने की जरूरत नहीं होती। जब ग्राहक ऑर्डर करता है, तो सप्लायर सीधे उस प्रोडक्ट को ग्राहक तक पहुंचाता है। इससे आपको गोदाम या इन्वेंट्री की चिंता नहीं रहती। यह बिजनेस पूरी तरह से ऑटोमेशन और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित है। सही रणनीति के साथ आप घर बैठे ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। टेक गैजेट्स, किचन आइटम्स, हैंडीक्राफ्ट्स और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स जैसे सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं। यह बिजनेस धीरे-धीरे आपको 'पैसिव इनकम' का स्रोत भी दे सकता है, जहां आप सोते हुए भी कमाई कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग/ग्रीन एनर्जी : कल बनें लीडर

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने एक नए बिजनेस सेक्टर को जन्म दिया है ईवी चार्जिंग स्टेशन। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर तेजी से बढ़ने वाला है, जिससे इसमें निवेश करने वालों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। आप रेजिडेंशियल सोसाइटी, मॉल या कमर्शियल एरिया में ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके साथ ही, ईवी मेंटेनेंस और रिपेयरिंग सर्विस जोड़कर अपनी आय को और बढ़ा सकते हैं। हालांकि इस बिजनेस में शुरुआती निवेश थोड़ा ज्यादा होता है, लेकिन इसकी लॉन्ग-टर्म संभावनाएं बेहद मजबूत हैं। अगर आप शुरुआती दौर में इस सेक्टर में कदम रखते हैं, तो आने वाले समय में बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

डिजिटल कंटेंट/ऑनलाइन कोर्स

अगर आपके पास किसी विषय की गहरी जानकारी है चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, पढ़ाई, फिटनेस, कुकिंग या टेक्नोलॉजी तो आप उसे डिजिटल कंटेंट या ऑनलाइन कोर्स के रूप में बदल सकते हैं। आज के समय में यूट्यूब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए लाखों लोग अपनी स्किल्स को बिजनेस में बदल रहे हैं। इस मॉडल की खासियत यह है कि इसमें आप खुद का ब्रांड बनाते हैं और आपकी कमाई आपकी मेहनत और पहचान पर निर्भर करती है। शुरुआत में आपको एक अच्छे स्मार्टफोन, माइक्रोफोन और बेसिक एडिटिंग सेटअप की जरूरत होती है। जैसे-जैसे आपका कंटेंट लोकप्रिय होता है, आपकी कमाई भी तेजी से बढ़ती जाती है। यह बिजनेस आपको नाम, पैसा और स्वतंत्रता तीनों देता है।

द रॉयल्स' के एक साल पूरे, भावुक हुए ईशान

मुंबई। ओटीटी की दुनिया में पिछले कुछ सालों में कई ऐसी सीरीज आई हैं, जिन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। ऐसी ही एक सीरीज रही 'द रॉयल्स', जिसने रिलीज होते ही युवाओं के बीच अलग पहचान बनाई थी। अब इस सीरीज को एक साल पूरा हो चुका है। इस खास मौके पर अभिनेता ईशान खट्टर ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया। उन्होंने सीरीज से जुड़ी कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए शूटिंग के दिनों को याद किया। साथ ही उन्होंने फैंस के प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद भी कहा। ईशान ने इंस्टाग्राम पर 'द रॉयल्स' के सेट से जुड़े कई खास पल साझा किए।

लाइफ Style

उर्वशी
मेरे किरदार की चुप्पी में छिपा संघर्ष

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस बार उनका किरदार पहले से ज्यादा भावनात्मक रूप से मजबूत दिखने वाला है। इस पर उर्वशी का कहना है कि इस बार उनके किरदार की सबसे बड़ी ताकत 'चुप्पी में छिपा संघर्ष' है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

बाहर से शांत दिखने वाले मेरे किरदार के अंदर चल रहा लगातार मानसिक संघर्ष ही उसकी मजबूती है। उर्वशी रौतेला ने अपने किरदार पूनम मिश्रा के बारे में बात करते हुए कहा, इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है। उर्वशी ने कहा, क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है। उर्वशी ने कहा, मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे।

हॉलीवुड मसाला

मदर्स डे पर की खूबसूरत पहल

लॉस एंजिल्स। मदर्स डे के अवसर पर ग्लोबल स्टार किम कार्दशियन जेल में बंद कई मांओं को उनके बच्चों से मिलवाने में मदद कर रही हैं। किम कार्दशियन ने रिफॉर्म अलायंस और लेडीज ऑफ होप मिनिस्ट्रीज के साथ मिलकर पूरे अमेरिका की फेडरल जेलों में बंद 50 मांओं के लिए इस रविवार को अपने बच्चों से मिलने का इंतजाम किया है। इस पहल के तहत परिवारों के सफर और दूसरे खर्चों का ध्यान रखा जाएगा, ताकि वे मदर्स डे एक साथ मना सकें। पीपल मैगजीन के मुताबिक, परिवारों का चुनाव 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया गया था।

'डेडलिएस्ट कैच' फेम एक्टर जेक एंडरसन की शादी टूटी

लॉस एंजिल्स।'डेडलिएस्ट कैच' फेम स्टार जेक एंडरसन और उनकी पत्नी जेना का तलाक हो रहा है। जेक एंडरसन ने इसकी पुष्टि कर दी है। इसी के साथ 17 साल के रिलेशनशिप और 13 साल की शादीशुदा जिंदगी का अंत हो रहा है। जेक एंडरसन ने इस बात की पुष्टि की है कि वे और उनकी पत्नी जेना एंडरसन 13 साल शादीशुदा जिंदगी में साथ रहने के बाद अब अपनी शादी खत्म कर रहे हैं। पीपल (**PEOPLE**) मैगजीन के अनुसार, यह बात इस लोकप्रिय शो के 22वें सीजन के प्रीमियर के दौरान सामने आई, जहां जेक ने अपनी निजी जिंदगी के मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की, जबकि वे अपनी प्रोफेशनल लाइफ में भी अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। अलग होने के बारे में बात करते हुए जेक ने कहा, '17 साल साथ रहने और 13 साल शादीशुदा जिंदगी में बिताने के बाद जेना और मैंने अब अलग होने का फैसला कर लिया है'।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। अभिनेत्री दिशा पाटनी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगाड्र्स वर्सेज होलीगाड्र्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है।

मेरा काम लोगों का इंटरटेन करना

मुंबई। दिलजीत दोसांझ म्युजिक इंडस्ट्री का जाना चेहरा है। उन्होंने ग्लोबल लेवल पर भी अपनी तगड़ी पहचान बनाई है। वहीं इन वो राजनीति में आने की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में जब उनसे पंजाब की राजनीति का 'नया चेहरा' बनने की अपील की गई, तो उन्होंने 'नेवर' कहकर इसे ठुकरा दिया। दरअसल, एक दैनिक अखबार ने हाल ही में 'क्या दिलजीत पंजाब की राजनीति का नया चेहरा बन सकते हैं?' शीर्षक से एक आर्टिकल पब्लिश किया। रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड सैनिकों और समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों सहित कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दिलजीत से राजनीति में आने की सार्वजनिक अपील की थी। बताया गया कि रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट एसएस बोपराय के नेतृत्व वाला ये ग्रुप चाहता है कि दिलजीत पंजाब की नई राजनीतिक आवाज बनें।

टीवी मसाला

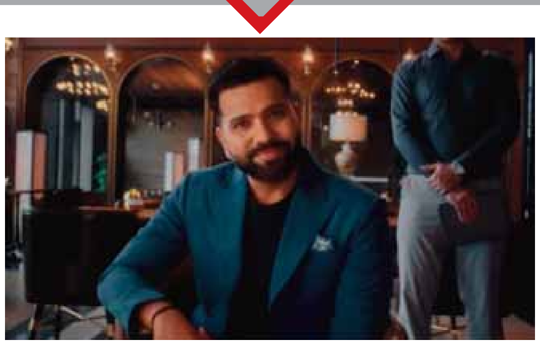

खेल के मैदान के बाद टीवी पर डेब्यू करेंगे रोहित शर्मा, रिलीज हुआ नए शो का टीजर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बेहतरीन बैट्समैन और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का हर काम उनके फैंस को पसंद आता है। फैंस उनके परफॉर्मेंस, ऐड और इंटरव्यू पर प्यार लुटाते हैं। उनका हर अंदाज फैंस को पसंद आता है। ऐसे में रोहित शर्मा टीवी पर एक शो लेकर आ रहे हैं। रोहित ने पूछा है कि अगर वह टीवी पर अपना अंदाज लेकर आएंगे तो क्या होगा? क्रिकेटर रोहित शर्मा जल्द ही टीवी पर अपना एक शो लेकर आने वाले हैं। इसका टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। टीजर में दिखाया गया है कि रोहित अपने फैंस से मिलते हैं। फैंस उनसे 'कोई गार्डन में नहीं घूमेगा' बोलने को कहते हैं। इस डिमांड से वह परेशान हो जाते हैं। इस बीच वह कॉल करके अपने घर पर गार्डन का काम रुकवा देते हैं। टीजर के आखिर में रोहित कहते हैं 'दो लाइनें क्या बोल दीं, इतनी वायरल हो गईं, जब मेरा पूरा शो आएगा तो क्या होगा? टीजर में यह नहीं बताया गया है कि उनके शो का क्या नाम है और यह किस बारे में है। हालांकि रोहित ने टीजर से अपने फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उनका शो सोनी टीवी पर आने वाला है। बताया जाता है कि रोहित शर्मा अपनी खास हाजिरजवाबी और सहज आकर्षण के साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। दर्शक एक एंटरटेनमेंट शो की उम्मीद कर सकते हैं।

दूसरी बार मां बनीं टीवी एक्ट्रेस आशका

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस आशका गोराडिया ने गुड न्यूज शेयर की है। आशका

ने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। आशका और उनके पति ब्रेंट गोबल ने अब फैंस के साथ ये खुशखबरी साझा की है। सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत फोटो के साथ कपल ने अपन बेटे के नाम का भी खुलासा किया है। साथ ही चार सदस्यों के परिवार के रूप में एक नए चैप्टर की शुरुआत को लेकर शुक्रिया भी अदा किया है। आशका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें कपल और उनके बड़े बेटे के हाथ नजर आ रहे हैं, जिसमें वो नवजात को थामे हुए हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में एक दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा है। इसमें उन्होंने खुशखबरी साझा करते हुए कहा, '1 मई 2026 को हमारे दिलों में आए हमारे बेटे रिचर्ड थियोडोर गोबल का आगमन हुआ।

'मस्कारा' के साझा किए बीटीएस पल

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'क्या कमाल है' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री 'जिया' नाम का एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना 'मस्कारा' रिलीज हुआ है, जिसमें शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड हीरोइनों के रोमांस की याद दिला रहा है।

मुंबई। शरवरी ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के बीटीएस पल शेयर किए। इस पोस्ट में शरवरी ने इम्तियाज अली के साथ अपने काम करने के अनुभव को बयां करते हुए लिखा, इम्तियाज अली सर और मैं इस एहसास को 'किस-मिस यारा' कहते थे। यह एक मजेदार बनाया गया शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने वाली उस मीठी और हल्की सी गुदगुदाहट को महसूस कराता है। शरवरी ने आगे लिखा, मेरा किरदार 'जिया' अपनी जिंदगी में कई बार इसी 'किस-मिस' वाले एहसास से गुजरती है। गाने में मेरा नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। 'मस्कारा' गाने में शरवरी का लुक काफी क्लासी रखा गया है। गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज भी देखने को मिलता है। 'मस्कारा' गाना अपनी रोमांटिक धुन और शानदार केमिस्ट्री के लिए सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत दिग्गज संगीतकार एआर रहमान ने दिया है, जबकि बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा जलवा

मुंबई। बॉलीवुड की डांसिंग सेंसेशन और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के ओपनिंग सेरेमनी में अपनी परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। यह सेरेमनी कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित होगी। नोरा का इस बड़े मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए गर्व की बात है।

'फीफा वर्ल्ड कप 2026' की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के मशहूर बीएमओ फील्ड स्टेडियम में होगी। इस खास मौके पर नोरा फतेही के साथ कई बड़े इंटरनेशनल म्यूजिक स्टार्स भी परफॉर्म करेंगे। इस लिस्ट में माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे कलाकार शामिल हैं। वहीं अमेरिका में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे बड़े इंटरनेशनल स्टार्स मंच संभालेंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का एक बड़ा उत्सव बनने जा रहा है। फीफा की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी देश की संस्कृति और विविधता को दुनिया के सामने पेश करेगी। समारोह की शुरुआत कनाडा की अलग-अलग खूबसूरत जगहों और वहां की परंपराओं को दिखाने वाले खास प्रस्तुतीकरण से होगी। इसके जरिए दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत किया जाएगा।

बॉलीवुड में मेल और फीमेल एक्टर्स की फीस को लेकर बहस

पैट्रिआर्की पर कृति का बड़ा बयान बोलीं- बड़ा हिस्सा ले जाते हैं हीरो

मुंबई। बॉलीवुड में मेल और फीमेल एक्टर्स की फीस को लेकर बहस लंबे समय से चल रही है। तमाम एक्ट्रेस इस मुद्दे पर बात कर चुकी हैं, अब कृति सेनन ने भी इंडस्ट्री में मौजूद पैट्रिआर्की और पे-पैरिटी पर खुलकर बात की है। कृति ने कहा कि फिल्मों में बजट कटौती का असर अक्सर सबसे पहले फीमेल एक्टर्स की फीस पर पड़ता है, जबकि बड़े हिस्से की रकम मेल स्टार्स को दी जाती है। कृति ने कहा, जब प्रोड्यूसर्स को बजट कम करना होता है तो वे सबसे पहले फीमेल लीड की फीस कम करने की कोशिश करते हैं, जबकि बजट का बड़ा हिस्सा मेल एक्टर्स को जाता है। इंडस्ट्री में पैट्रिआर्की आज भी गहराई से मौजूद है और बराबरी लाने के लिए इसे बदलना जरूरी है।

सेट् पर होते हैं भेदभाव

कृति ने फिल्म सेट्स पर होने वाले छोटे-छोटे भेदभावों का भी जिक्र किया। कृति ने कहा कि अक्सर सेट पर पहले यह देखा जाता है कि फीमेल एक्टर तैयार है या नहीं, ताकि मेल एक्टर को इंतजार न करना पड़े। उनके मुताबिक यह चीजें कई बार अनजाने में होती हैं, लेकिन इन्हें बदलने की जरूरत है।

शुरुआती करियर का अनुभव किया साझा

कृति ने अपने शुरुआती करियर का एक अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार उनके साथ काम कर रहे एक मेल को-स्टार, जो उनसे सीनियर भी नहीं थे, उन्हें बेहतर कार दी गई थी। कृति ने कहा, मुद्दा कार का नहीं था, बल्कि बराबरी के सम्मान का था। उस समय हर बात खुलकर कहना आसान नहीं होता था, लेकिन मैंने हमेशा अपने लिए खड़े होने की कोशिश की।

फीमेल किरदार सीमित

कृति ने बताया कि यही सोच उन्हें प्रोड्यूसर बनने की ओर लेकर गई। उनकी फिल्म 'दो पत्ती' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वह ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं, जिनमें महिलाओं के लिए मजबूत और अहम किरदार हों। कृति के मुताबिक, आज भी महिलाओं के लिए अच्छी और दमदार स्क्रिप्ट्स बहुत कम लिखी जाती हैं, जबकि मेल-ड्रिवन फिल्मों में फीमेल किरदार अक्सर सीमित रह जाते हैं।

एक ही उड़ान में मिसाइल अलग-अलग ठिकानों को बनाएगी निशाना

डीआरडीओ ने नई 'अग्नि' मिसाइल का ओडिशा में किया सफल परीक्षण

परीक्षण के दौरान कई हथियार साथ ले गई मिसाइल

नई 'अग्नि' मिसाइल का परीक्षण

सभी तकनीकी लक्ष्यों को हासिल कर लिया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा के क्षेत्र में शनिवार को एक नया इतिहास रच दिया है। ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से 'अग्नि' मिसाइल के एक उन्नत संस्करण का सफल उड़ान परीक्षण किया गया। यह परीक्षण इसलिए खास है क्योंकि इस मिसाइल को मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेड री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक से लैस किया गया है। इसका आसान भाषा में मतलब यह है कि यह मिसाइल एक ही उड़ान में एक साथ कई अलग-अलग ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें पूरी तरह तबाह कर सकती है।

हिंद महासागर में दिखा मिसाइल का दम

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित इस मिसाइल ने परीक्षण के दौरान कई पेलोड (हथियार) अपने साथ ले जाए। मिसाइल ने हिंद महासागर क्षेत्र के विशाल भौगोलिक क्षेत्र में फैले विभिन्न लक्ष्यों को एक बार में ही सफलतापूर्वक खत्म कर दिया। कई जमीनी और जहाज-आधारित स्टेशनों ने टेलीमेट्री और ट्रैकिंग का कार्य किया। इन प्रणालियों ने मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर सभी विस्फोटकों के प्रभाव तक की पूरी यात्रा का पता लगाया। उड़ान डेटा से पता चला कि परीक्षण के दौरान मिशन के सभी उद्देश्य पूरे हुए और सभी तकनीकी लक्ष्यों को हासिल कर लिया गया है।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई

देश की इस बड़ी उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, भारतीय सेना और इस प्रोजेक्ट से जुड़े उद्योगों को दिल से बधाई दी है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि इस सफल परीक्षण से देश की रक्षा क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा। अब भारत बढ़ते खतरों के खिलाफ पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और शक्तिशाली बनकर उभरा है। यह तकनीक आने वाले समय में भारत की सामरिक शक्ति को एक नई ऊंचाई देगी।

अमेरिकी मीडिया का दावा

ईरान-अमेरिका के बीच अगले हफ्ते पाकिस्तान में होगी चर्चा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर को लेकर बातचीत चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान की ओर से अमेरिकी प्रस्ताव पर जवाब आ सकता है। इस बीच अमेरिकी मीडिया ने दावा किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान में बातचीत हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों पक्ष एक पन्ने के 14-बिंदुओं वाले मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) को तैयार करने के लिए मध्यस्थों के साथ काम कर रहे हैं। इसका उद्देश्य युद्ध खत्म करने की दिशा में एक महीने तक चलने वाली बातचीत के लिए रूपरेखा तय करना है। बता दें, इससे पहले भी पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन दोनों बैठकें विफल रहीं।

पहले दौर की वार्ता के लिए अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ इस्लामाबाद पहुंचे थे। हालांकि, पहले दौर की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला, जिसके बाद दूसरे दौर की बातचीत हुई। दूसरे दौर की बातचीत में भी दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन सकी। हालांकि, दोनों देशों के बीच दो हफ्तों के लिए सीजफायर जरूर लागू हुआ था।

इजराइल-लेबनान के बीच 14-15 मई को

अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि इजराइल और लेबनान के बीच अगले दौर की बातचीत 14 और 15 मई को होगी। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौता करना है। साथ ही इसमें हिजबुल्लाह से जुड़े मुद्दों पर भी बात होगी। अमेरिका इस पूरी बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता थॉमस टॉमी पिगॉट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि आने वाली बातचीत 23 अप्रैल को हुई बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। उस बैठक का नेतृत्व खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। अमेरिका इन दो दिनों की बातचीत में दोनों देशों की सरकारों के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगा। दोनों देशों के प्रतिनिधि शांति और सुरक्षा के ढांचे पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें सीमाओं का निर्धारण और लेबनान के लिए मानवीय सहायता जैसे विषय शामिल होंगे। अमेरिका का लक्ष्य पिछले दो दशकों के उन असफल तरीकों को बदलना है, जिनकी वजह से हिजबुल्लाह जैसे उग्रवादी गुट मजबूत हुए। इन गुटों ने लेबनान की सरकारी सत्ता को कमजोर किया और इजराइल की उत्तरी सीमा के लिए खतरा पैदा किया।

... तो हम दूसरा रास्ता अपनाएंगे

राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया कि अगर बातचीत में रुकावट आती है तो वॉशिंगटन अपना रुख और सख्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ ठीक नहीं हुआ, तो हम दूसरा रास्ता अपनाएंगे। अगर चीजें सही नहीं रहीं तो हम 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' पर वापस जा सकते हैं, लेकिन यह 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' होगा। यानी इसमें कुछ और कदम भी शामिल होंगे। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जो फिलहाल इटली के दौरे पर हैं, ने उम्मीद जताई कि ईरान की ओर से एक 'गंभीर प्रस्ताव' आएगा। रुबियो का मानना है कि ईरान के भीतर की राजनीतिक अस्थिरता और वहां का खराब सिस्टम बातचीत में देरी का एक बड़ा कारण हो सकता है।

चीन ने बदल दिया फलों का डीएनए, आलू को बना दिया सेब, बांस को बना दिया गन्ना!

बीजिंग। चीन तकनीक और एक्सपेरिमेंट के मामले में दुनिया को बार-बार हैरान करता रहता है। अब इस देश के वैज्ञानिकों ने फलों और पौधों के डीएनए के साथ ऐसा खेल किया है कि पूरी दुनिया दंग रह गई है। उन्होंने पारंपरिक फलों को नए रूप में बदलकर कृषि क्रांति की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया है।

बनाए कई नए फल : सबसे चर्चित प्रयोग है आलू और सेब का हाइब्रिड. वैज्ञानिकों ने आलू के डीएनए को सेब के कुछ जीन के साथ मिलाकर एक नया फल विकसित किया है। यह फल बाहर से आलू जैसा दिखता है, लेकिन, काटते ही स्वाद सेब जैसा मीठा और रसदार मिलता है। इसे कच्चा खाया जा सकता है और यह पौष्टिक तत्वों से भरपूर है। दूसरा बड़ा आविष्कार है बांस और गन्ने का हाइब्रिड. बांस के डीएनए को गन्ने में मिलाकर वैज्ञानिकों ने ऐसी नई प्रजाति तैयार की है जो दिखने में मोटे बांस जैसी है, लेकिन अंदर से मुलायम, रस से भरी और ज्यादा मीठी है। सामान्य गन्ने की तुलना में यह ज्यादा रस देती है और छीलना भी आसान है। चीन के कई इलाकों में इसकी खेती शुरू हो चुकी है। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने हरे और लाल अंगूर के डीएनए को मिलाकर एक नई प्रजाति विकसित की है। ये अंगूर गुलाबी रंग के होते हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि डीएनए एडिटिंग (सीआरआईएसपीआर जैसी तकनीक) से हम फलों और सब्जियों को हमारे हिसाब से बदल सकते हैं। स्वाद, रंग, आकार, पोषण– सब कुछ कंट्रोल में आ जाएगा। चीन इस दिशा में आगे चल रहा है। फिर भी विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि किसी भी नए फल को खाने से पहले उसकी सुरक्षा जांच जरूर करनी चाहिए। चीन के इन नवाचारों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि तकनीक से प्रकृति को भी बदला जा सकता है।

-196 डिग्री पर पत्थर बन चुका दिमाग फिर हुआ जिंदा

बर्लिन। क्या इंसान कभी मौत को चकमा देकर भविष्य में फिर से दोबारा जीवित हो पाएगा? यह सवाल अक्सर लोगों के मन में आता रहता है। अब इसी बीच विज्ञान की दुनिया से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने हॉलीवुड की साइंस-फिक्शन फिल्मों के क्रायो-स्लीप यानी इंसानों को जमाकर सालों बाद जिंदा करने के सपने को हकीकत के करीब ला दिया है। साइंस में ऐसी खोज अक्सर होती रहती हैं, जो हमें भविष्य की किसी साइंस-फिक्शन फिल्म की याद दिला देती हैं। कुछ ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है जर्मनी के वैज्ञानिकों ने, जिसे क्रायोबायोलॉजी यानी कम तापमान पर जीवन का संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

जर्मनी की फ्रेडरिक-अलेक्जेंडर यूनिवर्सिटी एर्लांगेन-नूर्नबर्ग और यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल एर्लांगेन के रिसर्चर्स ने चूहे के मस्तिष्क के ऊतकों यानी ब्रेन टिश्यू को -196 डिग्री सेल्सियस के जमा देने वाले तापमान पर ठंडा किया और फिर सफलतापूर्वक उन्हें फिर से एक्टिवेट करने में सफलता हासिल की।

स्टोर कर सकता है 100 लीटर पानी

अंटानानारिवो। प्रकृति में ऐसी कई चीजें हैं, जिसे देखकर एक नजर में यालीन कर पाना मुश्किल हो जाता है। लेकिन, हर एक चीज के पीछे खास वजह होती है, जो उसके महत्व को बढ़ा देती है। ऐसा ही एक पौधा है ट्रैवलर्स पाम। ये पौधा जंगलों में पाया जाता है। इसे प्रकृति का एक्वागार्ड भी कहा जा सकता है। इसके पत्ते देखने में केले जैसे नजर आते हैं, लेकिन इसकी जड़ों में छुपा है असली खजाना।

प्रकृति ने इंसान को कई अनोखी चीजें दी हैं, जिनमें से एक है ट्रैवलर्स पाम. इसे प्रकृति का एक्वागार्ड भी कहा जाता है। यह पौधा ना सिर्फ देखने में आकर्षक है बल्कि अपने अंदर पानी स्टोर करने की अद्भुत क्षमता के लिए मशहूर है। मेडागास्कर के घने जंगलों में पाया जाने वाला ट्रैवलर्स पाम यात्री और जीव-जंतुओं दोनों के लिए वरदान साबित होता है। ट्रैवलर्स पाम का वैज्ञानिक नाम है। यह पाम परिवार से संबंधित नहीं है, बल्कि केले के परिवार का सदस्य है।

एआई पर सहयोग बढ़ाएंगे भारत-अमेरिका

समाज के विकास के लिए सुरक्षित तकनीक पर 'मिलकर' करेंगे काम

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की पूरी क्षमता हासिल करने के लिए भारत और अमेरिका को खुलेपन के सिद्धांतों पर आगे बढ़ना होगा और विरोधी देशों पर किसी भी प्रकार की तकनीकी निर्भरता से बचना होगा। अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी बेथानी मॉरिसन ने शुक्रवार को आयोजित यूएस-इंडिया एआई एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम का आयोजन यूएस-इंडिया एआई और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम की ओर से किया गया था।

पीएम मोदी की प्रशंसा की

मॉरिसन ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार साफ तौर पर समझती है कि एआई तकनीक का इस्तेमाल दोनों देशों की समृद्धि और विकास के लिए होना चाहिए, लेकिन साथ ही इससे जुड़े सुरक्षा खतरों को लेकर भी सतर्क रहना जरूरी है। अमेरिका और भारत तकनीकी नवाचार के अगले दौर में एक मजबूत साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। दोनों देश मिलकर एआई के भविष्य को दिशा देंगे और वैश्विक स्तर पर नई तकनीकी नेतृत्व क्षमता विकसित करेंगे।

एआई में अपार संभावनाएं

मॉरिसन ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के देशों को विश्वस्तरीय तकनीक तक पहुंच मिले और उसे समाज के विकास व लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने कहा कि एआई तकनीक में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसके लाभ पूरी तरह तभी मिल सकते हैं जब देश खुले और सुरक्षित तकनीकी ढांचे पर काम करें। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी तकनीकी साझेदारी सुरक्षा, इंटरऑपरेबिलिटी और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला पर आधारित हो।

यहां ज्वालामुखी के भीतर उबल रहा लाल लावा, वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने अमेरिका के हवाई द्वीप पर स्थित किलाऊआ ज्वालामुखी को लेकर चेतावनी दी है। यह सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। हाल ही में ज्वालामुखी के क्रेटर के अंदर लावा को उबलते देखा गया है, जिससे वैज्ञानिकों और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। यूएस भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कैमरों में ज्वालामुखी के अंदर लावा के बुलबुले और फव्वारे का भयानक दृश्य कैद हुआ है।

राशिफल

मेष – कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष – मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन – परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह – बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या – नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु – व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ – मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./05/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2026 डिण्डौरी, दिनांक 30.04.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 01.05.2026 को प्रात: 11.00 बजे से दिनांक 15.05.2026 को शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है। निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	ई निविदा क्र.	नि. सू. क्र.	वि.खं./ जिला	विवरण	अनु. लागत (PAC) (रू.)	धरोहर राशि (PAC) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	रिमार्क
1	2026_PHED _504555_1	05	डिण्डौरी	Piped Water Supply Scheme in Eklavya Adarsh Awasiya Vidhyalaya Dindori Block Dindori District - Dindori	16.92	33840.00	2000.00	प्रथम आमंत्रण

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड डिण्डौरी (म.प्र.)
G-12614/26 "स्वच्छता ही सेवा"

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और रू 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं। कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /17/मई 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सुरक्षा ऑडिटर नियुक्त करने हेतु ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, मोतीबाग कार्यशाला, द.पू.म. रेलवे, नागपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना संख्या: MIBW/2025/19/06/02/05R दिनांक: 30.04.2026

कार्य का नाम: मोतीबाग वर्कशॉप, द.पू.म. रेलवे, नागपुर के लिए IS 14489:1998 के अनुसार सुरक्षा ऑडिट हेतु, महाराष्ट्र फैक्ट्रीज (सुरक्षा ऑडिट) नियम 2014 के नियम 3(b) के प्रावधानों के तहत, एक मान्यता प्राप्त सुरक्षा ऑडिटर नियुक्त करना।

अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 2,50,514/- (रु. दो लाख पचास हजार पाँच सौ चौदह केवल) 18% GST सहित है। **बयाना राशि:** ₹ 5,000/- (रु. पांच हज़ार केवल), **अनुबंध की अवधि:** 04 (चार) महीने, LOA जारी होने की तारीख से, **निविदा प्रपत्र मूल्य:** 0/- (शून्य) बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियां दिनांक **22.05.2026** के **11:00** बजे तक जमा कर सकेंगे।

निविदा अंतर्गत मैनुअल ऑफर्स की अनुमति नहीं है और सभी प्राप्त मैनुअल ऑफर्स को यथावत अस्वीकार कर दिया जाएगा। उपरोक्त निविदा सम्बंधित अन्य विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

कार्यशाला प्रबंधक,
FL/14-54 द.पू.म. रेलवे, मोतीबाग नागपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

शब्द पहेली - 6221

बाएँ से दाएँ
1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवर्णेद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे
1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली- 6220 का हल

सूडोकु नवताल - 6231

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6230 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा
सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। k

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां , आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां , यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

एआई इमेज

लघुकथाएं

स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। k

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' k

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

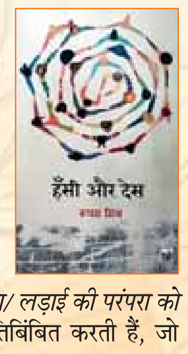

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। k

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

मां-बेटी दोनों ने खेला इंटरनेशनल क्रिकेट, देश के लिए रचा इतिहास

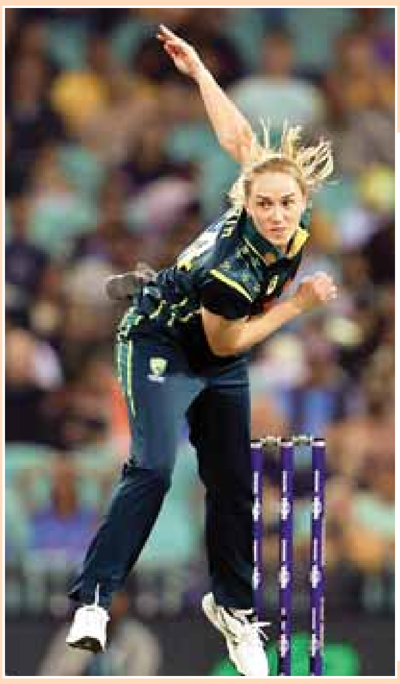

10 मई को मदर्स डे मनाया जाएगा। ये दिन एक मां-बेटी की जोड़ी के लिए काफी खास है। इन दोनों ने ही इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। खास बात ये भी है कि बेटी ने दो देशों के लिए खेला है।

मदर्स डे पर विशेष

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मदर्स डे हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस साल 10 मई को मदर्स डे मनाया जाएगा। इस खास मौके पर हम आपको एक ऐसी मां-बेटी की जोड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। इस जोड़ी ने अलग-अलग पीढ़ियों में एक ही देश के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलकर इतिहास रचा। ये कहानी है ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर किम गार्थ और उनकी मां ऐनी-मैरी गार्थ की।

14 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू

किम गार्थ ने सिर्फ 14 साल की उम्र में आयरलैंड की महिला टीम के लिए इंटरनेशनल डेब्यू कर दिया था। उस समय वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली दुनिया की सबसे युवा खिलाड़ी बन गई थीं। आयरलैंड के लिए किम ने 34 वनडे मैचों में 448 रन बनाए और 23 विकेट झटके। वहीं 51 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 762 रन बनाए साथ ही 42 विकेट भी लिए, जिसके चलते फरवरी 2021 में उन्हें दशक की बेस्ट आयरलैंड महिला क्रिकेटर का खिताब भी मिला।

2020 में किम पहुंची ऑस्ट्रेलिया

लेकिन 2020 में किम ने अपना रुख ऑस्ट्रेलिया की ओर किया। उन्होंने क्रिकेट विक्टोरिया के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और मेहनत के बाद 2022 में ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीम में जगह बनाई। अब वह तीनों फॉर्मेट में कंगारू टीम के लिए खेल रही हैं और दुनिया की बेहतरीन ऑलराउंडरों में शुमार हैं।

मां ने खेला इंटरनेशनल क्रिकेट

किम की मां ऐनी-मैरी गार्थ भी आयरलैंड की महिला टीम के लिए खेल चुकी हैं। उन्होंने 1988-89 के दौरान 12 वनडे मैच खेले, जिनमें 6 विकेट लेने के साथ 14 रन भी बनाए। क्रिकेट सिर्फ किम और उनकी मां तक ही सीमित नहीं है। उनके पिता जोनाथन गार्थ भी आयरलैंड के लिए खेले हैं। दोनों भाई भी क्रिकेट से जुड़े हुए हैं। यानी पूरा परिवार क्रिकेट के मैदान पर अपना योगदान दे रहा है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
हैदराबाद	11	7	4	14
पंजाब	10	6	3	13
बेंगलुरु	10	6	4	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	10	6	4	12
चेन्नई	10	5	5	10
कोलकाता	10	4	5	9
दिल्ली	11	4	7	8
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	10	3	7	6

ऑरेंज कैप

हेनरिक क्लासेन
494 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

शंघाई विश्व कप : जाधव ने जीता कांस्य पदक

शंघाई। विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह विश्व कप में उनका पहला पदक भी है। महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरंदाज जाधव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया। भारत ने इस पदक के साथ कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का भी समापन किया। इस वर्ग में भारत के अन्य खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम रहे थे। भारत को कंपाउंड टीम स्पर्धाओं में मजबूत टीम माना जाता है लेकिन उसकी सभी टीम शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। भारत अब रविवार को प्रतियोगिता के समापन दिवस पर रिकर्व स्पर्धा में दो और पदक जीतने की कोशिश करेगा।

ट्रूइस्ट चैंपियनशिप : शीर्ष 10 में पहुंचने के करीब भाटिया

शार्लोट। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर ट्रूइस्ट चैंपियनशिप में शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। भाटिया एक समय शीर्ष 10 में शामिल हो गए थे लेकिन आखिरी क्षणों में दो बोगी करने से उन्हें नुकसान हुआ और अभी वह संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। इस बीच रॉरी मैकलॉय (70-67) ने शीर्ष पर पहुंचने की तरफ कदम बढ़ाए। वह संयुक्त पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। कोरिया के सुंगजाई इम (64-69) नौ अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर पहुंच गए।

विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के अगले दौर में वीर चोटरानी

नई दिल्ली। विश्व में 45वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी वीर चोटरानी ने अपने से बेहतर रैंकिंग के हमवतन खिलाड़ी अभय सिंह को पांच गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर मिस्र के गीज़ा में चल रही विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। चोटरानी ने विश्व में 22वें नंबर के खिलाड़ी अभय को 14-12, 8-11, 5-11, 11-7, 11-2 से हराया। यह चोटरानी की अभय के खिलाफ तीन मुकाबलों में दूसरी जीत है।

आरसीबी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर

मुंबई इंडियंस के खिलाफ आज रॉयल चैलेंजर्स को खेलनी होगी विस्फोटक पारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पिछले दो मैच में हार से वापसी के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में उसके बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे। तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले 5 मैचों में से 3 मैच हार गई है, जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। आरसीबी अभी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और वह प्लेऑफ में पहुंचने का मजबूत दावेदार है।

मैच : शाम 7.30 बजे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की लय गड़बड़ाना चिंता का विषय

अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब आरसीबी की लय गड़बड़ाना उसके लिए चिंता का विषय होगा। आरसीबी के बल्लेबाजों को अपनी पिछली असफलता को भूलकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में उसकी टीम केवल 155 रन ही बना पाई थी जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उसे 9 रन से हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी को लखनऊ के खिलाफ जीत के लिए आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत थी, लेकिन वह लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच सका।

आरसीबी को करना होगा एमआई के मजबूत गेंदबाजी का सामना

आरसीबी के बल्लेबाजों को अब मुंबई इंडियंस के खिलाफ मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा। इन गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, कॉर्बिन बॉश, एएम गजनफर और विल जैक्स शामिल हैं। रायपुर आरसीबी का घरेलू मैदान है, लेकिन उसे यहां की पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। आरसीबी के बल्लेबाजों में जैकब बेथेल को बड़ा स्कोर बनाना होगा क्योंकि अभी तक वह चार पारियों में 14, 20, पांच और चार रन ही बना पाए हैं। ऐसे में उनके सलामी जोड़ीदार विराट कोहली को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है। विकेट कीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का प्रदर्शन भी निराशाजनक है। इस सत्र में उनका उच्चतम स्कोर 23 है।

एमआई के सामने आरसीबी की कड़ी चुनौती

मुंबई इंडियंस की बात है तो लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में उसने 228 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया था। रोहित शर्मा ने चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली। रोहित और उनके सलामी जोड़ीदार रयान रिकेल्टन के सामने भुवनेश्वर कुमार और जोश हेज़लवुड की जोड़ी का डटकर सामना करने की चुनौती होगी। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या पीठ दर्द के कारण लखनऊ के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की थी। हार्दिक टीम से जुड़ गए हैं लेकिन उनकी फिटनेस का सही आकलन करने के बाद ही उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा।

मैच का समय : शाम 7.30 बजे

प्लेऑफ की आस बचाने उतरेगी सीएसके, एलएसजी से भिड़ंत आज

मैच : दोपहर 3.30 बजे

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपॉक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है।

लखनऊ के लिए सत्र निराशाजनक

लखनऊ की टीम के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा और वह प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। सीएसके का पूरा अभियान काफी हद तक संजू सैमसन के इर्द-गिर्द घूमता रहा है, जिनकी शीर्ष क्रम में अच्छी पारियों ने अक्सर टीम की किस्मत तय की है। जहां टीम के नए खिलाड़ी सैमसन बल्लेबाजी के आधार स्तंभ के रूप में उभरे हैं, वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रुतुराज ने इस महीने की शुरुआत में 74 और 67 रन की महत्वपूर्ण पारियों के साथ फॉर्म में वापसी की है। वह हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में असफल रहे, जहां सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की मैच विजेता पारी खेली।

सीएसके को कार्तिक, ओवरटन से अच्छे योगदान की उम्मीद

सीएसके की टीम को मध्य क्रम के बल्लेबाजों डेवाल्ड ब्रेविस, कार्तिक शर्मा, जेमी ओवरटन और शिवम दुबे से भी अच्छे योगदान की उम्मीद होगी। महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण अभी तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं।

इटैलियन ओपन

प्रिजमिक का बड़ा उलटफेर जोकोविच टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी ▶▶| रोम

छह बार के इटैलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। प्रिजमिक ने जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह पहली बार है जब जोकोविच इटैलियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में बेन शेल्टन को हराया था। 20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच उगो हम्बर्ट से खेलना है।

दूसरे सेट में गिरा जोकोविच का लेवल

जोकोविच ने पहला सेट सिर्फ 40 मिनट में जीता था। जोकोविच का लेवल दूसरे सेट में गिर गया। उनके शॉट्स की गहराई कम हो गई। उनकी सटीकता फीकी पड़ गई। चेहरे पर गुस्सा और साफ दिख रही निराशा के बीच, उन्होंने जल्द ही खुद को निडर प्रिजमिक के खिलाफ 4-0 से पीछे पाया। युवा क्रोएशियाई खिलाड़ी ने लगातार दबाव बनाना जारी रखा, जिससे 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को और गलतियां करने पर मजबूर होना पड़ा और मैच को निर्णायक तीसरे सेट में ले गया।

ब्लिट्ज : क्रिस्तोफ डुडा को हारकर 5वें स्थान पर गुकेश

वारसॉ। विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ब्लिट्ज वर्ग में खराब शुरुआत के बाद वापसी करते हुए सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के नौंवे दौर में पोलैंड के जान क्रिस्तोफ डुडा पर शानदार जीत दर्ज की। गुकेश ने रैपिड वर्ग में 18 में से 9 अंक जुटाए। उन्होंने शुरुआती नौ ब्लिट्ज दौर से चार और अंक हासिल किए, जिससे टूर्नामेंट के आधे चरण में उनके 27 में से 13 अंक हो गए हैं।

अमेरिका के हैंस मोके नीमन पहले दिन के खराब प्रदर्शन के बावजूद तालिका में शीर्ष पर बरकरार हैं। नीमन 16.5 अंक से हमवतन वेस्ली सो से आधा अंक आगे हैं। वहीं अमेरिका के तीसरे खिलाड़ी फैबियानो कारुआना स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ 15-15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश दो अंक पीछे अगले स्थान पर हैं।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए फर्नांडीस और 'बनी'

एजेंसी ▶▶| लंदन

मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस को फुटबॉल कवर करने वाले पत्रकारों ने इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना जबकि मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खादिजा 'बनी' शॉ ने दूसरी बार महिलाओं का पुरस्कार जीता।

इंग्लैंड में फुटबॉल का सत्र जबकि अंतिम दौर में चल रहा है तब फर्नांडीस ने फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन की ओर से दिए जाने वाला यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस सत्र में मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 19 गोल करने में मदद की, जो कि रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। उन्होंने टीम को चैंपियंस लीग में जगह दिलाने में भी मदद की।

ब्रूनो ने राइस और हालैंड को पीछे छोड़ा

पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने आर्सेनल के डेक्लान राइस और मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड को पीछे छोड़ा। उन्हें फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से अधिक सदस्यों में से 45 प्रतिशत मत मिले। वह 2010 में वायने रूनी के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी हैं। यह पुरस्कार 1947 से दिया जा रहा है और इस प्रकार यह दुनिया का सबसे पुराना व्यक्तिगत फुटबॉल पुरस्कार है। शॉ ने आर्सेनल की एलेशिया रूसो और चेल्सी की लॉरेन जेम्स को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। उन्होंने 21 मैचों में सबसे अधिक 19 गोल करके मैनचेस्टर सिटी को 10 साल में पहली बार महिला सुपर लीग का खिताब दिलाया।

पुखराज ने 72 का कार्ड खेलकर 13-अंडर का बनाया

गिल ने रोमांचक प्लेऑफ में जीता पहला एडीटी खिताब

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

पुखराज सिंह गिल ने 'आर एंड ए' की एडीटी प्लेयर्स चैंपियनशिप के तीन खिलाड़ियों के रोमांचक प्ले-ऑफ में धैर्य बनाए रखते हुए खिताब अपने नाम किया। गिल ने शुरुआती दौर से ही बढ़त कायम रखते हुए दबाव भरे पलों में मानसिक मजबूती दिखाई और पहली बार यह खिताब जीतने में सफल रहे।

आईजीपीएल में खेलने वाले गिल ने अंतिम दौर में लय से भटकते हुए 72 का कार्ड खेलकर कुल 13-अंडर का स्कोर बनाया। उनके साथ थानाविन ली (68) और सीन रामोस (68) भी बराबरी पर रहे। गिल ने प्ले-ऑफ के दूसरे होल के बाद खिताब के साथ पुरस्कार के तौर पर 19,250 डॉलर की राशि भी अपने नाम की। इस जीत के साथ गिल ने एडीटी ऑर्डर ऑफ मेरिट की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। चार प्रतियोगिताओं के बाद गिल फिलहाल ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान पर हैं।

कार्तिक ने बनाया 65 का स्कोर

इस प्रतियोगिता के कट में प्रवेश करने वाले अन्य भारतीयों में कार्तिक सिंह ने दिन का सर्वश्रेष्ठ 65 का स्कोर बनाया और संयुक्त 30वें स्थान पर रहे। वहीं, खालिन जोशी 77 के स्कोर के साथ संयुक्त 46वें स्थान पर रहे। गिल ने दूसरे प्ले-ऑफ होल में छह फीट का पुट लगाकर जीत पक्की की। गेंद के होल में जाते ही उन्होंने दोनों हाथ ऊपर उठाकर जश्न मनाया। उनका खिताब पक्का होते ही अमन राज और आर्यन रूपा आनंद समेत अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया और एक साथ जीत का जश्न मनाया।

जीत का इंतजार काफी लंबा : गिल

गिल ने कहा, इस जीत का इंतजार काफी लंबा रहा। यह एहसास अविश्वसनीय है। मुझे लगता है कि इसे पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन फिलहाल मैं बेहद उत्साहित हूं। मलेशिया में यह सप्ताह शानदार रहा। पहली बार इस कोर्स पर खेलते हुए मुझे इसका डिजाइन बहुत पसंद आया। यह मेरे खेल के अनुकूल था और खुशी है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सका। उन्होंने कहा, अंतिम क्षणों में मुकाबला मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा रोमांचक हो गया और मामला प्ले-ऑफ तक पहुंच गया। वहां जीत हासिल करने के बाद मैं खुद को सातवें आसमान पर महसूस कर रहा हूं। इस जीत का एहसास पूरी तरह दिल में उतरने में अभी थोड़ा समय लगेगा।

संक्रमण से 5 मौतों के बाद वन विभाग पर उठे सवाल

कान्हा में 9 दिन में उजड़ गई बाघिन की पूरी फैमिली

हरिभूमि जबलपुर।

महाकौशल क्षेत्र और जबलपुर के पर्यटन की रीढ़ माने जाने वाले कान्हा नेशनल पार्क से लगातार आ रही बाघों की मौत की खबरों ने वन्यजीव प्रेमियों के साथ पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों की भी चिंता बढ़ा दी है। देश-विदेश से पर्यटकों को आकर्षित करने वाला कान्हा इन दिनों एक बाघिन और उसके चार शावकों की मौत को लेकर चर्चा में है। महज 9 दिनों के भीतर पूरी बाघ फैमिली खत्म होने से पार्क प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस बीच एक और चर्चित नर बाघ 'डिगडोला' की मौत ने मामले को और संवेदनशील बना दिया है। लगातार हो रही घटनाओं ने यह बहस तेज कर दी है कि क्या टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की सुरक्षा और स्वास्थ्य निगरानी व्यवस्था पर्याप्त है।

संक्रमण बना मौत की वजह

कान्हा प्रबंधन के अनुसार बाघिन और उसके चार शावकों की मौत खतरनाक संक्रमण के कारण हुई है। अधिकारियों का कहना है कि यह वायरस सामान्य तौर पर श्वानों और बिल्लियों में पाया जाता है और संभवतः उसी संक्रमण ने बाघ परिवार को अपनी चपेट में लिया। वन अधिकारियों का तर्क है कि इस तरह के संक्रमण के मामले पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामने आ चुके हैं। हालांकि लगातार हो रही घटनाओं ने वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कान्हा नेशनल पार्क के डिप्टी डायरेक्टर प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि संक्रमण की पुष्टि के बाद पार्क क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है। गश्ती दल सक्रिय किए गए हैं और हाथियों की मदद से जंगल क्षेत्रों में लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नर बाघ 'डिगडोला' की मौत संभवतः आपसी संघर्ष के कारण हुई है और उसमें संक्रमण की आशंका कम है।

पर्यटकों और गाइडों में नाराजगी

कान्हा में लगातार बाघों की मौत की खबरों से पर्यटकों और स्थानीय गाइडों में भी नाराजगी बढ़ रही है। वर्षों से पार्क में काम कर रहे गाइडों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में हो रही मौतों को केवल संयोग नहीं माना जा सकता। उनका कहना है कि अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो कान्हा की पहचान और वहां का पारिस्थितिक संतुलन दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। गाइडों के मुताबिक बीते तीन महीनों में ही छह बाघों की मौत हो चुकी है और हर बार अलग-अलग कारण सामने आ रहे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि टाइगर रिजर्व के आसपास रहने वाले पालतू जानवरों की स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि कई संक्रमण घरेलू जानवरों से वन्यजीवों तक पहुंच सकते हैं।

मध्य प्रदेश में बढ़ता जा रहा मौत का आंकड़ा

मध्य प्रदेश में बाघों की संख्या भले लगातार बढ़ी हो, लेकिन मौतों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में वर्ष 2022 की गणना के अनुसार 785 बाघ दर्ज किए गए थे, जो देश में सबसे अधिक हैं। लेकिन दूसरी तरफ बाघों की मौत के आंकड़े चिंता बढ़ा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में प्रदेश में 34 बाघों की मौत हुई थी। यह संख्या 2022 में बढ़कर 43 हो गई। वर्ष 2023 में 45 और 2024 में 46 बाघों की मौत दर्ज की गई। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 55 तक पहुंच गया।

चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2026 में अप्रैल तक ही 27 बाघों की मौत हो चुकी है। अगर यही स्थिति बनी रही तो इस साल पुराने रिकॉर्ड टूट सकते हैं।

संरक्षण पर उठ रहे बड़े सवाल

वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि टाइगर रिजर्व में केवल बाघों की संख्या बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य की निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। लगातार हो रही मौतों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जंगलों में संक्रमण रोकने और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए मौजूदा व्यवस्थाएं पर्याप्त हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कान्हा, बांधवगढ़, पेंच और सतपुड़ा जैसे बड़े टाइगर रिजर्व में नियमित मेडिकल मॉनिटरिंग, संक्रमण नियंत्रण और फील्ड स्टाफ की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

हाईकोर्ट का फैसला, नर्मदापुरम जिले का मामला

बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या के अपराधी की फांसी आजीवन कारावास में बदली

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने छह साल की अबोध बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में नर्मदापुरम जिला सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनीन्द्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने कहा कि आरोपी की सोशल ऑडिट रिपोर्ट व मामले की परिस्थितियों को देखते हुए यह प्रकरण रेयरेस्ट ऑफ रेयर यानी विरल से विरलतम की श्रेणी में नहीं आता। सजा तय करते समय केवल अपराध की क्रूरता ही नहीं, बल्कि आरोपी की सामाजिक पृष्ठभूमि, व्यवहार और सुधार की संभावना पर भी विचार करना जरूरी है। आरोपी को सुधार का एक अवसर दिया जाना चाहिए।कोर्ट ने कहा कि अपराधी को आजीवन कारावास की सजा में कम से कम 25 वर्ष तक किसी प्रकार की रियायत या माफी नहीं मिलेगी। उसे मृत्युपर्यंत जेल में रहना होगा। अभियोजन के अनुसार, 2 जनवरी 2025 को नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा थाना क्षेत्र के एक गांव से छह साल की बच्ची अचानक लापता हो गई थी। संदेह के आधार पर पुलिस ने आरोपी अजय वाडिवा को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उसने कबूल किया कि वह बच्ची को नहर किनारे झाड़ियों में ले जाकर दुष्कर्म किया। बच्ची शोर मचाने लगी तो उसका गला दबा दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। नर्मदापुरम जिला सत्र न्यायालय ने 9 अप्रैल 2025 को आरोपी को अपराधी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इसी फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की गई थी।

एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव सहित तीन अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अवमानना के एक मामले में पाया कि नोटिस विधिवत तामील हो चुके हैं, इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई भी अदालत में पेश नहीं हुआ। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने इस पर जमकर नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने एमएसएमई मंत्रालय के प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह, आयुक्त दिलीप कुमार सिंह और जिला उद्योग केंद्र रीवा के जनरल मैनेजर राहुल दुबे के खिलाफ 25-25 हजार रुपए के जमानती वारंट जारी किए। कोर्ट ने भोपाल व रीवा एसपी को वारंट तामील कराने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी। जिला उद्योग केंद्र रीवा में पदस्थ असिस्टेंट मैनेजर जयप्रकाश तिवारी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वह मैनेजर पद पर प्रमोशन पाने के योग्य थे, लेकिन सरकार कोई निर्णय नहीं ले रही थी। कोर्ट ने इस मामले पर 4 नवंबर 2024 को संबंधित अधिकारियों को 90 दिनों के भीतर पदोन्नति पर फैसला लेने के निर्देश दिए थे। निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी आदेश का पालन नहीं हुआ। इस पर अवमानना याचिका दायर की गई।

तेज रफ्तार बस ने एंबुलेंस को मारी टक्कर, एक की मौत, 6 घायल

जबलपुर। जबलपुर से अहमदाबाद जा रही एक तेज रफ्तार बस ने खैरी गांव के पास मरीज लेकर आ रही एंबुलेंस को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि एंबुलेंस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में एंबुलेंस सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बस में सवार तीन यात्रियों को मामूली चोटें आईं। घटना में नोनी गांव निवासी सौरभ पटेल की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सौरभ अपने घायल भाई को एंबुलेंस से लेकर आ रहा था, तभी यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी गोपेंद्र सिंह राजपूत ने पुलिस बल के साथ राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। बस यात्रियों के लिए दूसरी बस की व्यवस्था की गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत गंगामईया दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के पास एक सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात नगदी 30 हजार रुपए, चांदी की पायल, दो चूड़ी, खाली सिलेंडर एवं मिक्सी चोरी कर ले गए। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा मईया दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के पास निवासी 42 वर्षीय सब्जी व्यापारी रामहेतु मौर्य गत 16 अप्रैल को घर पर ताला लगाकर रायबरेली उप्र शादी में गया था। गत 4 मई को पड़ोसी ने फोन पर चोरी की सूचना दी। सूचना पाकर वह घर पहुंचा तो पता चला की अज्ञात व्यक्ति घर के सामने का ताला तोडकर घर में घुसकर कमरो का ताला तोडकर घर के पूजा घर में रखी पेटी में से 30 हजार रुपए नगद व 100 ग्राम चांदी की पायल, चांदी की चूड़ी, खाली सिलेंडर और मिक्सी चोरी कर ले गए।

फरार मकान मालिक पर प्रकरण दर्ज

घमापुर में महिला की हत्या से सनसनी

जबलपुर। घमापुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक महिला की हत्या का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई। घरों में काम करने वाली 38 वर्षीय आरती चौधरी का शव एक सूने मकान में मिला। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी मकान मालिक अतुल कोरी की तलाश शुरू कर दी है, जो घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने अतुल कोरी के मकान का दरवाजा बाहर से बंद देखा। काफी देर तक कोई हलचल नहीं होने पर लोगों को शक हुआ। अंदर जाकर देखने पर वहां आरती चौधरी का शव पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस मकान में घटना हुई वहां अतुल कोरी अपनी मां के साथ रहता था। उसकी मां दो दिन पहले एक शादी समारोह में शामिल होने बाहर गई थी। इसी दौरान मकान सूना था और इसी का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है।

मृतका के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद हत्या के दुष्कर्म की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने महिला के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की होगी और विरोध करने पर गला दबाकर हत्या कर दी। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने साफ किया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस ने आरोपी अतुल कोरी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है, जिसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और क्षेत्रीय पार्षद अविनाश चमकेल ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई है। आरोप है कि सूचना देने के बाद भी काफी देर तक एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। मृतका आरती चौधरी पर अपने छोटे बच्चे की जिम्मेदारी थी। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

सिहोरा में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, प्लांट सील

फर्जी नाम से हो रही थी ड्रिंकिंग वॉटर की पैकिंग

जबलपुर। जिले की तहसील सिहोरा में अस्वच्छ कर परिस्थिति में ड्रिंकिंग वॉटर बनाने वाले एक कथित वॉटर प्लांट पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने शनिवार की सुबह छापा मार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में ड्रिंकिंग वॉटर के पाउच जब्त किए, जिन्हे नगर पालिका के माध्यम से नष्ट करा दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र दुबे के मुताबिक जिले के सिहोरा सिविल कोर्ट के पीछे संचालित इस पैक्ड ड्रिंकिग वॉटर प्लांट में रीवा की एक कंपनी के पाउच खरीदकर उसमें पानी पैक किया जा रहा है। वॉटर प्लांट के पास फूड सेफ्टी का लायसेंस भ्ज्ञी नहीं था और प्लांट में भारी गदंगी भी थी। इस प्लांट को मंयक त्रिपाठी संचालित कर रहे थे। विभाग द्वारा वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र दुबे ने बताया कि सिहोरा न्यायालय के पीछे मयंक बिबरिजेस प्लांट में छापे मारी की गई। यहां पर नियम विरुद्ध प्लांट का संचालन हो रहा था और अस्वच्छ परिस्थिति में ड्रिकिंग वॉटर के पाउच पैक किए जा रहे थे। जांच में यह भी बात सामने आई कि मयंक बिबरिजे के पास फूड सेफ्टी लायसेंस नहीं था, और जो पानी के पाउच जिस नाम से पैक किए जा रहे थे इससे इनका का कोई लेना देना नही है। दरअसल मां वैष्णव बिबरेज मैदानी गांव रीवा के नाम के पाउच मयंक बिबरेज द्वारा खरीद गए और उसमें फर्जी नाम से पानी की पैकिंग की जा रही है। प्लांट में कई तरह की खामियां मिली। प्लांट को सील कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कहना है कि जांच के दौरान यह पता चला कि आरोपी मयंक त्रिपाठी रीवा के एक शख्स से पानी पाउच का प्लास्टिक रोल खरीदकर लाया था। उन्होंने बताया कि मयंक एक साल से फैक्ट्री संचालित कर रहा है। यहां अक्सर रात को या फिर छुट्टी वाले दिन फैक्ट्री खोलकर पानी के पाउच तैयार किए जाते थे। कार्रवाई के दौरान जिला खाद्य अधिकारी देवेंद्र दुबे के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी, संजय गुप्ता भी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने शासकीय शिक्षक के विरुद्ध निरस्त की एफआईआर

वाट्सएप स्टेट्स में उर्दू शायरी शेयर करना अपराध नहीं

मप्र हाईकोर्ट ने बैतूल निवासी शासकीय शिक्षक फैजान अंसारी को बड़ी राहत दी है। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने स्पष्ट किया कि वाट्सएप स्टेट्स में उर्दू शायरी शेयर करना कोई अपराध नहीं है।कोर्ट याचिकाकर्ता के विरुद्ध दर्ज तीन एफआइआर निरस्त करने का आदेश पारित कर दिया।

जबलपुर। यह मामला शिक्षक द्वारा अपने वाट्सअप स्टेटस पर उर्दू शायरी और कविता साझा करने से संबंधित था। कोर्ट ने कहा कि किसी को भड़काने या समाज में नफरत फैलाने के इरादे से शायरी पोस्ट करने के कृत्य को अपराध हर्गिज नहीं माना जा सकता।

दरअसल, यह मामला उस समय सामने आया जब शिक्षक ने अपने वाट्सअप स्टेटस पर कुछ उर्दू शायरी और सामाजिक मुद्दों से जुड़ी बातें साझा की थीं। इसके बाद उनके विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई गई और पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 153(2) सहित कई धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया था। आरोप लगाया गया था कि उनकी पोस्ट से सामाजिक सद्भाव बिगड़ सकता है और अलग-अलग समुदायों के बीच तनाव पैदा हो सकता है। शिकायत के बाद पुलिस ने शिक्षक का मोबाइल भी जब्त कर लिया था और उनसे पूछताछ की गई थी। पोस्ट में इतिहास, बलिदान और सामाजिक अन्याय जैसे मुद्दों का जिक्र था। हालांकि जांच के दौरान ऐसा कोई स्पष्ट सबूत सामने नहीं आया जिससे सिद्ध हो सके कि शिक्षक का उद्देश्य किसी समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाना था।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि उन्होंने सिर्फ साहित्यिक और भावनात्मक अभिव्यक्ति के तौर पर शायरी साझा की थी। उनका किसी को भड़काने, हिंसा फैलाने या सामाजिक अशांति पैदा करने का कोई इरादा नहीं था। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि महज उर्दू शायरी पोस्ट करने को अपराध मानना अभिव्यक्ति की आजादी के सर्वथा विरुद्ध है। वहीं राज्य शासन की ओर से दलील दी गई कि इंटरनेट मीडिया पर साझा की गई सामग्री का असर व्यापक हो सकता है, इसलिए मामले की जांच जरूरी थी। हालांकि कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद माना कि एफआइआर में लगाए गए आरोपों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि किसी पोस्ट को अपराध मानने के लिए यह साबित होना जरूरी है कि उसमें जानबूझकर नफरत फैलाने या हिंसा भड़काने की मंशा थी। सिर्फ साहित्यिक या भावनात्मक अभिव्यक्ति को आपराधिक दायरे में नहीं लाया जा सकता। अदालत ने कहा कि रिकार्ड पर ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है जिससे लगे कि शिक्षक ने अलग-अलग समूहों के बीच दुश्मनी पैदा करने की कोशिश की। कोर्ट ने यह भी कहा कि इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट की गई हर बात को अपराध नहीं माना जा सकता, खासकर तब जब उसमें स्पष्ट रूप से हिंसा या नफरत फैलाने की अपील न हो। इसके बाद हाई कोर्ट ने शिक्षक के विरुद्ध दर्ज तीनों एफआईआर निरस्त कर दीं।

शिकायतकर्ता युवती थी बालिग, पॉक्सो एक्ट में दी गई सजा स्थगित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि दुष्कर्म की शिकायत करने वाली युवती की आयु कथित घटना के समय 18 साल से अधिक थी। इसलिए उसे नाबालिग नहीं माना जा सकता और पॉक्सो एक्ट के तहत दी गई सजा उचित नहीं है। इस मत के साथ जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने आरोपी को सुनाई गई सजा स्थगित कर दी। छिंदवाड़ा जिले के सुनील जावरे की ओर से अधिवक्ता रमाशंकर यादव ने कोर्ट को बताया कि 30 नवंबर 2024 को विचारण न्यायालय अमरवाड़ा ने अपीलकर्ता को बलात्कार एवं पॉक्सो एक्ट के तहत 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा दी। उन्होंने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता युवती के पिता ने खुद स्वीकार किया है कि स्कूल में प्रवेश के समय 2007 में उन्होंने उसका जन्म प्रमाणपत्र बनवाया। शिकायतकर्ता के पहले स्कूल का दाखिल खारिज भी नहीं पेश किया गया है। स्पष्ट है कि वह नाबालिग नहीं है। इसलिए पॉक्सो एक्ट के तहत सजा अनुचित है। तर्क को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240